हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 28 .3 डिग्री
न्यूनतम 11 .0 डिग्री

12 मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाई ईद

12 भाजपा-कांग्रेस मिलकर प्रदेश को कर रही हैं बर्बाद : बड़शामी

खबर संक्षेप

कार्यालय पर फायरिंग करने वाले तीन पकड़े

पानीपत। असंध रोड अनेजा पेट्रोल पंप के पास स्थित हरीश कुमार निवासी शांति नगर व इसके ममेरे भाई गौरव मिगलानी का हॉस्ट फोरेक्स प्राइवेट लिमिटेड (मनी एक्सचेंज) के ऑफिस पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों संदीप निवासी कबीरपुर व कुनाल निवासी गांव रोहणा जिला सोनीपत और कृष्ण निवासी कोटा मोहल्ला को सीआईए वन व सोनीपत एसटीएफ की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पानीपत के ही एक गांव के विदेश में निवास कर रहे दो युवकों के कहने पर दहशत फैलाने के लिए मनी एक्सचेंज के ऑफिस पर फायरिंग की थी।

दो दुकानों से हजारों रुपये का सामान चोरी

यमुनानगर। शहर की छोटी लाइन निवासी विनय कुमार ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी शहर के रादौर रोड स्थित अशोक मार्केट में दुकान है। चोरों ने 19 मार्च की रात को दुकान का ताला तोड़कर पांच हजार रुपये, मोबाइल, दो पेटी चॉकलेट तथा उसके पड़ोसी नितिन गर्ग की दुकान से एक पेटी बीडी, एक कट्टा अंशुल तंबाकू का चोरी कर लिया। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो उन्हें दुकान के लगे ताले टूटे मिले और अंदर सामान गायब था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

ज्वेलर्स की दुकान से चांदी की अंगूठियां चोरी

यमुनानगर। शहर की शांति कॉलोनी स्थित अभिषेक ज्वेलर्स की दुकान से चोरों ने काउंटर के अंदर रखा चांदी की अंगूठियों का बॉक्स चोरी कर लिया। बॉक्स में करीब 25 चांदी की अंगूठियां थी। शांति कॉलोनी निवासी अभिषेक ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी कॉलोनी में ही अभिषेक ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। 11 मार्च को दोपहर 12 बजे वह दुकान बंद करके किसी काम से बाहर गया था। रात को नौ बजे जब वह वापस लौटा तो उसकी दुकान के अंदर काउंटर में रखा चांदी की अंगूठियों का बॉक्स गायब मिला।

जनगणना-2027 का ट्रॉयल शुरू एक मई से शुरू होगा कार्य

जनगणना प्रशिक्षण के बाद फील्ड में उतरे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जनगणना-2027 के पहले चरण यानी मकान सूचीकरण के कार्य को करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करने वाले सभी 34 फील्ड ट्रेनर का 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आखिरी चरण में पहुंच गया। प्रशासन ने जनगणना निदेशालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में सभी फील्ड ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ट्रायल करवाया गया ताकि इन सभी को जमीनी स्तर पर किए जाने वाले कार्य को स्वयं करके पूरा किया जाए।

- 34 फील्ड ट्रेनर्स को दिया जा रहा है प्रशिक्षण, प्रगणकों और सुपरवाइजरों को किया जाएगा प्रशिक्षित

फील्ड ट्रायल को जिलाधीश अजय सिंह तोमर के निर्देशन में सफलतापूर्ण पूरा किया गया। बता दें कि पूरे जिले में जनगणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक मुख्य रूप से 1943 प्रगणकों और 323 सुपर वाइजरों के द्वारा किया जाना है। इसमें नगर निगम के कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हैं। इन सभी का तकनीकी दृष्टिकोण से प्रशिक्षित होना अति अनिवार्य हैं। इन प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करने वाले फील्ड ट्रेनर्स का गहनता से प्रशिक्षित होना अधिक अनिवार्य है ताकि फील्ड में घर-घर जाकर कार्य करने में इन लोगों को कोई दिक्कत न आए। इस बार की जनगणना मोबाइल एप्प के माध्यम से की जानी है। इससे आंकड़े साथ ही प्राप्त होते रहेंगे। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही कई योजनाएं बनाई जानी हैं।

अंबाला। ट्रायल के तौर पर जनगणना का कार्य करते फील्ड अधिकारी।

प्रशिक्षण 6 से 22 अप्रैल तक चार्ज स्तर पर चलेगा

प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण 6 से 22 अप्रैल 2026 तक चार्ज स्तर पर चलेगा। यही फील्ड ट्रेनर्स चार्ज स्तर पर सभी नियुक्त होने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षत करेंगे। उसके बाद 1 मई से 30 मई तक फील्ड ऑप्रेशन चलेगा। जनगणना कार्य में कार्यरत कोई भी कर्मी एवं अधिकारी किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते, इसके लिए भी सभी को चौकस किया गया है। प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण चार्ज स्तर के कार्यालय पर चलेगा और चार्ज अधिकारी ही मुख्य रूप से इस संचालन के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त की गई जानकारी को गोपनीय रखा जाता है। इसे आरटीआई के तहत भी नहीं दिया जा सकता है। कोई भी अधिकारी व कर्मचारी इस जनगणना इयूटी से इनकार नहीं कर सकता। हालांकि जनगणना एक्ट 1948 में बहुत से प्रावधान हैं। परंतु यह कार्य राष्ट्रीयता की भावना से बिना किसी वाद-विवाद के किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जिला समन्वय अधिकारी (जनगणना) विकास बजाज ने बताया कि फील्ड में जनगणना के कार्य को करने वाले लगभग 2266 प्रगणकों और सुपरवाइजरों को यही 34 फील्ड ट्रेनर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाना है। उन्होंने बताया कि मास्टर ट्रेनर्स रक्षा देवी और डॉ. दर्शन लाल ने सभी को प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स से अपील की वे ध्यान से परिक्षण प्राप्त करें। उन्हें फील्ड में काम करने वाले प्रगणकों और सुपरवाइजरों के साथ सम्पर्क में रहना होगा। अगर प्रशिक्षण ढंग से न लिया और न ही आगे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को दिया तो परिणाम अच्छे नहीं आएंगे।

धान घोटाले में हैफेड का परचेज अधिकारी गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस टीम द्वारा धान घोटाले में पकड़ा गया आरोपी अनिल कुमार।

- आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया

यमुनानगर। जिले में हुए करोड़ों रुपये के धान घोटाले में सीआईए वन की टीम ने कार्रवाई करते हुए हैफेड के परचेज अधिकारी अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर धान घोटाले के मुख्य आरोपी संदीप सिंघला के साथ मिलकर फर्जी गेट पास जारी करने और इसके बदले लाखों रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया। जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। जगाधरी के उप पुलिस अधीक्षक राजीव मिगलानी ने बताया है कि धान घोटाले में शामिल हैफेड विभाग के अधिकारी अनिल कुमार को सीआईए वन की टीम ने देर शाम गिरफ्तार किया था। आरोपी पर धान घोटाले में शामिल संदीप सिंघला के साथ मिलकर फर्जी गेट पास जारी करने और इसके बदले लाखों रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। इस मामले में पुलिस ने पहले भी आरोपी से रिश्वत के एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। जिले में हुए करोड़ों रुपये के धान घोटाले में दो दिन पहले ही डीएफएसससी के एएफएसओ जगाधरी देवेंद्र कुमार, निरीक्षक सविता छछरौली, निरीक्षक विनोद कुमार प्रताप नगर और निरीक्षक मनोज यादव बर्खास्त किए जा चुके हैं।

घने कोहरे में कई वाहन टकराए जीटी रोड पर चार घंटे रहा जाम

- पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर ट्रैफिक सुचारू करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के एलिवेटिड हाईवे पर शनिवार की सुबह सात से आठ बजे के बीच में घना कोहरा गिर रहा था। वहीं कोहरे में दृश्यता शून्य थी, इसके चलते एलिवेटिड हाईवे पर एक के बाद एक करीब 25 वाहन टकरा गए। वहीं, इन वाहनों में सवार करीब 32 लोग घायल हो गए। इतनी बड़ी संख्या में वाहन टकराने के चलते एलिवेटेड हाईवे पर यातायात जाम हो गया। घायलों को राहगिरों ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाया। हालांकि हादसे में घायल लोगों को मामूली चोटें लगी हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त होने वालों वाहनों में अधिकतर कारें हैं। दूसरी ओर, घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में लगवा कर यातायात सुचारू करवाया। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले एलिवेटिड हाईवे पर यातायात जाम हो चुका था। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से हाईवे की एक लेन को खाली करवा कर यहां से यातायात सुचारू करवाया। दूसरी ओर, पुलिस ने बताया कि एलिवेटिड हाईवे पर घना कोहरा होने व विजिबिलिटी जीरो होने के चलते हादसा हुआ। हादसा, किसी वाहन के सड़क पर खराब खड़ा होने के कारण नहीं हुआ, बल्कि कोहरा अधिक होने के कारण हुआ। इससे जीटी रोड पर करीब चार घंटे तक जाम लगा रहा। पुलिस ने वाहन चालकों को सलाह दी है कि वे वाहन तेजी से न चलाएं।

पानीपत। हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन।

हेरोइन मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सैल ने हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमन उर्फ पौधा के तौर पर हुई है जोकि अंबाला छावनी की रामकिशन कॉलोनी का रहने वाला है। विदित है कि 5 मार्च 2026 को जांच टीम ने बब्याल शमशान घाट के पास से राहुल कुमार नाम के युवक को 13 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों काबू किया था। आरोपी राहुल ने खुलासा किया था कि उसने बरामद हेरोइन अमन उर्फ पौधा से खरीदी थी। राहुल के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य सप्लायर अमन उर्फ पौधा को गिरफ्तार किया। आरोपी से गहन पूछताछ और नशा तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए पुलिस ने उसे अदालत से 2 दिन के रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद आरोपी को अब जेल भेज दिया गया है। पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति जारी रखेगी।

नवीन अवसर पहल पर हुआ कार्यक्रम

स्किल प्रशिक्षण के माध्यम से ही विदेशों में रोजगार पाएं युवा: नवीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से नवीन अवसर पहल के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आरके सदन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने छात्राओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विषय पर संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया।

साथ ही, निमाया फाउंडेशन और नवीन जिन्दल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जेन एआई रेडी नारी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सांसद नवीन जिन्दल ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के समय में लगभग हर समस्या का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके प्रभावी उपयोग के लिए सही प्रशिक्षण और समझ अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हुए आश्वासन दिया कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि क्षेत्र के युवा डंकी रूट जैसे जोखिमपूर्ण रास्तों की बजाय स्किल आधारित शिक्षा के माध्यम से विदेशों में रोजगार प्राप्त करें, ताकि उन्हें सम्मान और पहचान दोनों मिल सकें। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल सेंटरों के माध्यम से युवाओं को तकनीकी कौशल, भाषा ज्ञान और करियर मार्गदर्शन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सांसद ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से 108 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की घोषणा भी की।

कुरुक्षेत्र। छात्रा को प्रमाण पत्र वितरित करते सांसद नवीन जिंदल।

लाखों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय ठग को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने एक युवक से विदेश भेजने का झांसा देकर 15 लाख रुपए की मोटी रकम हड़प ली थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिव कुमार वासी गांव हांडेसरा (पंजाब) के रूप में हुई है। अंबाला शहर के देवी नगर के रहने वाले प्रिंस कुमार ने 2 मार्च 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। प्रिंस ने बताया कि आरोपी ने उसे विदेश भेजने का सपना दिखाया और अपनी बातों में फंसाकर दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31-मई 2025 के बीच कुल 15 लाख रुपए ठग लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी न तो उसे विदेश भेज पाया और न ही उसके पैसे वापस किए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी शिव कुमार ठगी करने में बेहद शातिर है। उसके खिलाफ पहले भी मोहाली, करनाल और अंबाला के विभिन्न थानों में विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी और ठगी के लगभग 6 मामले दर्ज हैं। वह लोगों को सुनहरे भविष्य का लालच देकर अपनी बातों के जाल में फंसाने का माहिर है। थाना सदर अंबाला पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को डिफेंस कॉलोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी न्यायालय में पेश किया। अब उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस आम जनता से अपील करती है कि विदेश जाने के नाम पर किसी भी अनजान या अनधिकृत व्यक्ति को पैसे न दें। यदि कोई व्यक्ति आपको इस तरह के प्रलोभन देता है तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचित करें।

- आरोपी पर कबूतरबाजी के छह मामले दर्ज, पूछताछ के बाद जेल भेजा

प्लाट की धोखे से करवाई रजिस्ट्री

यमुनानगर। शहर के खेड़ा मोहल्ला निवासी पूजा के साथ प्लाट बेचने के नाम पर ठगी हो गई। आरोप परिवार के तीन लोगों व्यासपुर निवासी अंजू नैयर, किरण नैयर और सन्नी नैयर पर लगा है। आरोपियों ने प्लाट 42 लाख रुपये में खरीदा और बिना पैसे दिए ही प्लाट की रजिस्ट्री करवा ली। बाद में आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खेड़ा मोहल्ला निवासी पूजा ने बताया कि उसे पैसों की जरूरत थी। इसलिए उसने अपना 162 वर्ग गज का प्लाट बेचने पर विचार किया। उसे पता चला कि व्यासपुर निवासी अंजू नैयर, किरण नैयर और सन्नी नैयर प्रॉपर्टी खरीदने, बेचने का कार्य करते हैं।

- एक ही परिवार के तीनों लोगों के खिलाफ केस दर्ज

सभी आरोपी एक ही परिवार से संबंध रखते हैं। उसने आरोपियों से प्लाट बेचने के बारे में बात की। आरोपियों ने उससे 42 लाख 12 हजार रुपये में प्लाट खरीदने की बात कही। आरोपियों ने प्लाट की रजिस्ट्री करवाने के लिए उसे व्यासपुर तहसील में बुलाया। उसने प्लाट की रजिस्ट्री करवाने से पहले आरोपियों से पैसे मांगे मगर आरोपियों ने कहा कि उनके रुपये बैंक में जमा है। इसके लिए फिलहाल करंट पेमेंट का चेक दे रहे हैं। आरोपियों ने उसे 10 करंट चेक देने थे लेकिन उन्होंने पूरे चेक नहीं दिए। जब वह आरोपियों के घर चेक लेने के लिए गई तो पैसे देने से मना कर दिया।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे साढ़े 11 लाख

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर शहर की थापर कॉलोनी निवासी अंशुल से साढ़े 11 लाख रुपये हड़प लिए गए। आरोप गौरव कटारिया व गौरव शर्मा पर लगा है। पुलिस ने अंशुल के पिता मोहनलाल की शिकायत पर दोनों आरोपी लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर की थापर कॉलोनी निवासी मोहनलाल ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का अंशुल पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि गौरव कटारिया व गौरव शर्मा लोगों को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह अपने बेटे अंशुल के साथ दोनों आरोपियों को मिला। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने काफी लोगों को विदेश भेजा है। वह उसके लड़के अंशुल को भी विदेश भेज देंगे। जहां उसे रोजगार मिल जाएगा। वह आरोपी की बातों में आ गया। इस दौरान आरोपियों ने उसे उसके लड़के को विदेश भेजने के नाम पर साढ़े 11 लाख रुपये का खर्च आने की बात कही। उसने 24 जुलाई 2025 को आरोपियों को उक्त रुपये और बेटे के दस्तावेज दे दिए। आरोपियों ने जल्द ही उसके बेटे को विदेश भेजने का आश्वासन दिया मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने इस बार आरोपियों से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

- दो आरोपी लोगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

गुरुकुल शिक्षा उत्सव के दूसरे दिन गुजरात के राज्यपाल ने किया संबोधित

गुरुकुल की जीवन शैली देती है मजबूत आधार : देवव्रत

- सातवीं और आठवीं कक्षा में प्रवेश के लिए पहुंचे 4 हजार से अधिक बच्चे और अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति में बच्चे को विषम परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार किया जाता है जो उसके भावी जीवन हेतु मजबूत नींव का कार्य करती है। गुरु के अलावा माता-पिता ही बच्चों के सबसे बड़े हितैषी है मगर आज मोबाइल, टी.वी. और सोशल मीडिया के बढ़ते चलन ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। युवाओं द्वारा मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग जहां उन्हें किताबों से दूर कर रहा है, वहीं पुरातन संस्कारों का भी ह्रास हो रहा है। उक्त शब्द गुरुकुल शिक्षा उत्सव के दूसरे दिन सातवीं और आठवीं कक्षा में प्रवेश हेतु पधारे छात्रों व उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत ने कहे। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु साफ-स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना अभिभावकों के लिए एक चुनौती बन गया है जिसका समाधान केवल गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल में राजा-महाराजा के बालक भी घने जंगलां में स्थित गुरुकुलों में शिक्षा प्राप्त करने जाते थे, वहां बिना किसी सुख-सुविधा के अपने सभी कार्य स्वयं करते थे और आचार्य से शस्त्र और शास्त्रों की शिक्षा प्राप्त करते थे। आधुनिक शिक्षा पद्धति में बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में बच्चों को किताबी और तकनीकी ज्ञान तो दिया जा रहा है मगर उन्हें समाज में कैसे रहना है? अपने बड़ों से कैसा आचरण करना है? संकट के समय स्वयं को कैसे स्थिर रखना है? देश और समाज के प्रति हमारे क्या दायित्व है? देश की उन्नति में कैसे सहायक बनें, इस दिशा में बच्चों को सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। हमारे गुरुकुलों में बच्चों को ठीक उसी प्रकार रखा जाता है जैसे बच्चा मां के गर्भ में सुरक्षित रहता है। प्राचीन काल में गर्भ से ही बच्चों में 16 संस्कार करने का विधान था, जो गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग है। उन्होंने आग्रह किया कि बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं और हमारे गुरुकुलों में अक्षरज्ञान के साथ-साथ बच्चां को शारीरिक, मानसिक और आध्यामिक रूप से मजबूत बनाया जाता है तो कल वे देश की उन्नति के मजबूत आधार स्तम्भ बनाकर अपने माता-पिता और गुरुकुल का नाम रोशन कर सकें।

कुरुक्षेत्र। विद्यार्थियों को संबोधित करते गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत।

बच्चों को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालें : डा. राजेन्द्र

डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा कि आज अभिभावक बच्चों को अत्यधिक सुख-सुविधाएं देकर न केवल उनका स्वास्थ्य बिगाड़ रहे है बल्कि उन्हें मानसिक तौर पर भी कमजोर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालें और मजबूत बनाएं। गुरुकुलों में बच्चों आधुनिक तकनीकी शिक्षा देने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और वैचारिक रूप से मजबूत बनाया जाता है ताकि वे बड़े होकर देश, समाज और अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्त्तव्यों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन कर सकें। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने अपने सम्बोधन में सभी गुरुकुलों की शैक्षिक गतिविधियों और रिजल्ट पर प्रकाश डाला।

कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में हार्ट अटैक से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने सरकार से बेटे का शव भारत लाने की गुहार लगाई है। मृतक की पहचान गुरमेल सिंह उर्फ सोनू (35) निवासी नारायणगढ़ मोहल्ला इस्माईलाबाद के रूप में हुई।

गुरमेल सिंह फ्रांस के पेरिस में रहता था और यहां पर रंग-पुताई का काम करता था। सोनू अपने पीछे पत्नी और 2 बेटियों को छोड़ गया। करीब 5 साल पहले गुरमेल फ्रांस गया था। लखवीर सिंह ने बताया कि उसका दोस्त गुरमेल सिंह साल 2021 में काम की तलाश में फ्रांस गया था। उसे 2 मार्च की फ्लाइट से फ्रांस अपने काम पर लौटना था। गुरमेल ने फ्रांस जाने की पूरी तैयारी कर ली थी, लेकिन ईरान-इजराइल के तनाव के बीच उसकी फ्लाइट कैंसिल हो गई।

उसके बाद गुरमेल ने 11 मार्च को अपनी फ्लाइट की टिकट बुक करवाई, उसी दिन गुरमेल उस फ्लाइट से वापस फ्रांस चला गया। जाने से पहले उसने दिवाली के आसपास वापस घर आने की बात कही थी। गुरमेल ने वापस फ्रांस जाकर अपना काम संभाल लिया। 19 मार्च को गुरमेल पेरिस में अपने काम पर जा रहा था। बीच रास्ते में ही दिल का दौरा पड़ने से गुरमेल बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खबर संक्षेप

शहीदी दिवस पर 23 को लगेगा रक्तदान शिविर

रादौर। शहीद भगत सिंह पब्लिक स्कूल झीवरेहडी में 23 मार्च को शहीद भगत सिंह के शहीदी दिवस पर रक्तदान, नेत्र जांच व स्वास्थ्य की जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्र के लोग बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। जानकारी देते हुए स्कूल के चेयरमैन बलवंत सिंह ने बताया कि शहीदी दिवस के अवसर पर स्कूल की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। जिसमें 18 वर्ष से अधिक का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर दूसरो के अमूल्य जीवन को बचाने में अपना योगदान कर सकता है। वहीं शिविर में नेत्र जांच की जायेगी। जिससे नेत्र रोगियों को लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य की जांच कर मरीजों को दवाइयां निशुल्क दी जायेगी। उन्होंने सभी से अपील की कि वे शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ उठाए।

वैदिक धर्म से स्थापित होगी विश्व शांतिः रणदीप

पानीपत। आर्य बाल भारती विद्यालय की प्रबंधन समित के अध्यक्ष रणदीप आर्य ने कहा कि आर्य समाज पूरे विश्व को सद्भावना, समानता, साक्षरता, सहयोग, त्याग, संघर्ष, दान, नारी सशक्तिकरण का संदेश देता है। वहीं, आर्य समाज की शिक्षाएं ही विश्व शांति का आधार है। उन्होंने कहा कि शिक्षक धरती पर भगवान का स्वरूप है। शिक्षक, विद्यार्थियों को सशक्त नागरिक बना कर विश्व की तरक्की को बढावा देता है। आर्य, शनिवार को स्कूल की प्राथमिक कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों भुवांश, भूविका, देवांशी, देविका, दक्ष आर्य, तीर्थ आदि को शुभकामनाएं व उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

घने कोहरे में 25 वाहन टकराए, 32 घायल

पानीपत। पानीपत के एलिवेटिड हाईवे पर शनिवार की सुबह सात से आठ बजे के बीच में घना कोहरा गिर रहा था। वहीं कोहरे में दृश्यता शुन्य थी, इसके चलते एलिवेटिड हाईवे पर एक के बाद एक करीब 25 वाहन टकरा गए। वहीं, इन वाहनों में सवार करीब 32 लोग घायल हो गए। इनती बडी संख्या में वाहन टकराने के चलते एलिवेटेड हाईवे पर यातायात जाम हो गया। घायलों को राहगिरों ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाया। हालांकि हादसे में घायल लोगों को मामूली चोटें लगी है। हादसे में क्षतिग्रस्त होने वालों वाहनों में अधिकतर कारें है। दूसरी ओर, घटना की सूचना मिलने पर बडी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में लगवा कर यातायात सुचारू करवाया।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाएं छात्रः सिंह

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में विपणन प्रबंधन विभाग की ओर से डिजिटल मार्केटिंग व्यवसाय के विकास में कैसे सहायक है विषय पर पीपीटी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में व्यवसाय को बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है। प्राचार्य डा. सतवीर सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में व्यवसाय को सफल बनाने के लिए डिजिटल मार्केटिंग का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इसके माध्यम से व्यवसाय अपनी पहचान को वैश्विक स्तर तक पहुँचा सकते हैं और ग्राहकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा : शर्मा

समालखा। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत हरियाणा की प्रमुख कार्यकारिणी की बैठक प्रांत अध्यक्ष रवि यादव की अध्यक्षता में आईबी कॉलेज में हुई। बैठक में प्रांत के 22 में केवल आठ जिले सक्रिय होने पर अन्य को सक्रिय करने के लिए रोहतक जिले की जिम्मेदारी प्रांत उपाध्यक्ष डीके शर्मा, सोनीपत की क्षेत्रीय संगठन मंत्री नवीन जैन, यमुनानगर पंचकूला की प्रधान सचिव व सह सचिव को संयुक्त रूप से दी गई। प्रांत कोषाध्यक्ष विकास द्वारा सभी जिलों के कोषाध्यक्षों से संपर्क कर उनकी आय व व्यय का विवरण एकद्ध कर प्रांत की एक बैलेंस शीट बनाने की जिम्मेदारी दी गई।

टीम ने संलिप्त वाहनों को जब्त कर लगाया 23.45 लाख का जुर्माना

अवैध खनन पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, दो मामले दर्ज

जिला प्रशासन व खनन विभाग द्वारा अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिले में उठाए जा रहे हैं कड़े कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। अवैध खनन में संलिप्त वाहन पर कार्रवाई करते हुए खनन विभाग व पुलिस के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन व खनन विभाग द्वारा जिले में अवैध खनन के विरूद्ध कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन व खनन विभाग की टीम ने अवैध खनन में संलिप्त सात वाहनों को जब्त कर 23.45 लाख रुपये का जुर्माना किया। उक्त जानकारी एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ ने दी।

एसडीएम विश्वनाथ ने बताया कि अवैध खनन तथा खनिज के अवैध परिवहन को लेकर जिला में लगातार सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। खनन विभाग के अलावा जिला टास्क फोर्स से जुड़े विभागों के अधिकारी भी इस अभियान में पुलिस की सहायता से लगातार फील्ड में कड़ी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला खनन विभाग, पुलिस व प्रशासन की टीम ने अवैध खनन में संलिप्त सात वाहनों को जब्त किया। इस दौरान अवैध खनन में संलिप्त वाहनों से रायल्टी, खनिज की कीमत व जुर्माना तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति के लिए 23 लाख 45 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। इसके अलावा अवैध खनन करने के जुर्म में दो मुकदमें दर्ज करवाए गए। जिनमें से पोबारी और ताहरपुर गांव से संबंधित है। उन्होंने बताया कि जिला के सभी नाकों पर निरंतर रात दिन चैकिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में अवध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए प्रशासन कार्यरत है।

अभियान में पुलिस का मिल रहा सहयोग

खनन विभाग के सहायक खनन अभियंता डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि विभाग का पूरा फोकस फील्ड में चैकिंग पर रहता है। उन्होंने बताया कि फील्ड में पुलिस विभाग का लगातार सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार संबंधित एसएचओ तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं।

विदेश भेजने के नाम पर 4.88 लाख हड़पने वाले दो आरोपी पकड़े

- पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना पुलिस टीम द्वारा पकड़े गए दो आरोपी युवक।

थाना प्रतापनगर पुलिस टीम ने टिब्बीराइयां निवासी शिव कुमार को विदेश भेजने के नाम पर चार लाख 88 हजार रुपए हड़पने वाले दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी युवक सगे भाई है। वह जिला अंबाला के नारायणगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले में अभी एक आरोपी फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार प्रताप नगर थाना प्रभारी रोहतास ने बताया कि गत 10 जनवरी को गांव टिब्बीराइयां निवासी शिव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला था कि जिला अंबाला के नारायणगढ़ निवासी हर्ष व उसका भाई सागर तथा पुनीत लोगों को विदेश भेजने का काम करते हैं। आरोपियों ने नारायणगढ़ में कार्यालय बनाया हुआ है। इसके बाद वह आरोपियों को उनके कार्यालय में मिला। आरोपियों ने उसे बताया कि उन्होंने काफी लोगों को रोजगार के लिए विदेश भेज दिया हुआ है। वह उसे भी विदेश भेज देंगे। वह आरोपियों की बातों में आ गया। आरोपियों ने उसे विदेश भेजने के नाम पर 10 लाख रुपये का खर्च आने की बात कही। उसने बताया कि उसने आरोपियों पर विश्वास करके उन्हें चार लाख 88 हजार रुपए व अपने दस्तावेज दे दिए।

प्राचीन बलभद्र मंदिर धौलरा में 19 को आयोजित होगा विशाल मेला

रादौर। क्षेत्र के गांव धौलरा स्थित प्राचीन भगवान बलभद्र मंदिर में अक्षय तृतीय के अवसर पर 19 अप्रैल को एक दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दूर दराज व आसपास के हजारों श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर भगवान बलभद्र के दर्शन करेंगे और पूजा अर्चना कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना करेंगे।

मेला कमेटी के सदस्य एवं धौलरा के पूर्व सरपंच संजू धौलरा ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 12 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। भगवान बलभद्र जी के मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की मुरादे पूरी होती हैं। भगवान बलभद्र जी की मूर्ति सैकड़ों वर्ष पहले तालाब की खुदाई के दौरान मिली थी। जिसके बाद मूर्ति को मंदिर में स्थापित किया गया। उन्होंने बताया कि धौलरा में हर वर्ष भगवान बलभद्र के मेले का आयोजन किया जाता है। इस बार भी मेले का भव्य आयोजन करने के लिए तैयारियों की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि उड़ीसा के जगन्नाथपुरी के बाद भगवान बलभद्र की धौलरा में मूर्ति स्थापित है। जिसमें लोगों की बड़ी आस्था है।

पांच दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को वेब डेवलपमेंट की तकनीकों पर किया जागरूक

रादौर। जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज में पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन कंप्यूटर साइंस विभाग के तत्वावधान में रवि क्वात्रा की अध्यक्षता आयोजित हुआ। कार्यशाला का मुख्य विषय फ्रंट एंड फाउंडेशन तो फूल स्टैक एप्लीकेशन इंटीग्रेशन रहा। जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक वेब डेवलपमेंट की मूलभूत से लेकर उन्नत तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला का संचालन कोडरॉइड हब प्राइवेट लिमिटेडए अंबाला की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। सत्र के दौरान प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को मर्न स्टैक की अवधारणा, फ्रंटेंड डेवलपमेंट की नींव फुल स्टैक एप्लीकेशन के एकीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। विद्यार्थियों को लाइव डेमो व हैंड्स.ऑन गतिविधियों के माध्यम से रियल-टाइम प्रोजेक्ट डेवलपमेंट का अनुभव भी प्रदान किया गया। जिससे उनकी तकनीकी समझ और कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने में कहा कि आज के डिजिटल युग में फुल स्टैक डेवलपमेंट जैसी स्किल्स विद्यार्थियों के करियर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाती हैं, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार करने में भी सहायक होती हैं। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों से जोडना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

होटलों समेत अन्य प्रतिष्ठानों में ठहरने वालों का पोर्टल पर करें पंजीकरणः गोयल

- जिला में कानून व्यवस्था मजबूत करने के उदेश्य से जिला प्रशासन ने किए जारी आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। मजिस्ट्रेट के आदेशों की जानकारी देते एसपी गोयल

जिला में कानून व्यवस्था मजबूत करने के उदेश्य से जिला प्रशासन द्वारा आदेश जारी कर होटल व गेस्ट हाउसों के लिए आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत होटल व गेस्ट हाउसों के संचालकों को उनके प्रतिष्ठानों में ठहरने वाले अतिथियों का हर समय पोर्टल पर पंजीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने दी।

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि जिला में कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए गए हैं। जिसके तहत जिला के सभी होटल, गेस्ट हाउस, लॉज, धर्मशाला और होमस्टे संचालकों के लिए हरसमय पोर्टल पर पंजीकरण और अतिथियों का विवरण अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने बताया कि जिले में संचालित कई आवासीय प्रतिष्ठान पहले से जारी मौखिक और लिखित निर्देशों के बावजूद पोर्टल पर पंजीकरण नहीं करा रहे हैं। इससे सत्यापन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो रही थी और कानून व्यवस्था बनाए रखने में संभावित जोखिम पैदा हो रहा था। एसपी ने कहा कि सभी संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों का पंजीकरण पोर्टल पर करवाना होगा। वहीं, उनके यहां ठहरने वाले प्रत्येक अतिथि का पूरा और सही विवरण रोजाना और समय पर पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य होगा। प्रशासन का मानना है कि इससे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, जांच में तेजी लाने और अपराध की रोकथाम में मदद मिलेगी।

उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों या संचालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित प्रतिष्ठानों से नियमों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। ताकि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।

गांव नचरौन आईटीआई को किया जाए एनसीवीटी : सैनी

- सैनी समाज प्रधान ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कस्बा की समस्याओं पर कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

कस्बा रादौर से सैनी समाज के प्रधान संदीप सैनी ने मुख्यमंत्री से चंडीगढ़ में मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर कस्बा की समस्यओं व विकास कार्यों बारे अवगत करवाया। संदीप ने कहा कि गांव नाचरौन में स्थित आईटीआई को एससीवीटी से एनसीवीटी किया जाये। जिससे जिले के बच्चों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। वहीं उन्होंने रादौर में लंबे समय से निर्माणाधीन स्टेडियम को जल्द बनवाए जाने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। जिस पर मुख्यमंत्री ने रादौर क्षेत्र की मांगों को जल्द पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिया। संदीप सैनी ने कहा कि नायब सिंह सैनी प्रदेश की राजनीति में एक ईमानदार, स्पष्टवादी व जनसेवा के लिए समर्पित नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। यही कारण है कि प्रदेश की जनता में एक अलग पहचान है। उन्होंने प्रदेश के विकास के साथ-साथ आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए भी लगातार प्रयास किए हैं।

मानव जीवन में उद्देश्य की पहचान होना जरुरीः कृष्ण

यमुनानगर। शहर की जम्मू कालोनी में शनिवार को मां दुर्गा के तृतीय नवरात्र पर आयोजित सत्संग में प्रवचन करते हुए हरिद्वार से आए स्वामी कृष्ण आचार्य ने फरमाया कि मानवता इंसान का सबसे बड़ा धर्म है। जब तक इंसान की सोच सकारात्तम नहीं हो जाती, तब तक मानवता का भाव मनों में नहीं आ सकता। मौके पर भजन संकीर्तन का आयोजन भी किया गया। स्वामी कृष्ण आचार्य ने फरमाया कि अगर इंसान को इंसान की कदर करनी आ जाए तो मानवता जन्म लेती है। मानवता की माला केवल प्रभु परमात्मा रूपी धागे से ही बन सकती है। जब तक इंसान को अपने जीवन के मूल उद्देश्य की पहचान नहीं होती तब तक वह अपने जीवन क्षेत्र में पिछड़ा रहता है। आचार्य ने कहा कि जब गुरू के इस ज्ञान का उजाला हृदयों में होता है, तभी ऐसा भाव जागृत होता है। मौके पर भजन संकीर्तन का आयोजन कर मां की महिमा का गुणगान किया गया। सत्संग के समापन पर प्रसाद वितरित किया गया।

यमुनानगर। जम्मू कालोनी में आयोजित सत्संग में प्रवचन सुनते श्रद्धालु।

यमुनानगर। ईद-उल-फितर पर नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग।

जिले भर में धूमधाम से मनाया ईद-उल-फितर

यमुनानगर। ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को जिले भर में धूमधाम से मनाया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों व ईदगाहों में नमाज अदा की और एक दूसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। खास बात यह रही कि हिंदू समुदाय के लोगों ने भी मुसलिम समुदाय के लोगों के गले लगकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। शनिवार सुबह शहर की जामा मस्जिद समेत छछरौली, खिजराबाद, कोट, कोट कलसिया, नगली, बुड़िया, मानकपुर, शादीपुर, रादौर, साढ़ौरा, बिलासपुर समेत अन्य स्थानों पर बनी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करने के लिए समुदाय के लोगों ने हजारों की संख्या में एकत्रित होकर नमाज पढ़ी। इस मौके पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, पूर्व मंत्री कंवरपाल, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा , उपायुक्त प्रीति व पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने मुसलिम समुदाय के लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

तृतीय नवरात्र पर मां दुर्गा के मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

- श्रद्धालुओं ने चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन की मां के चंद्रघंटा स्वरुप की अराधना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। मां बाला सुंदरी मंदिर में दर्शन करने के लिए लाइनों में लगे श्रद्धालु।

चैत्र शुक्लपक्ष के तीसरे नवरात्र पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर मां के तीसरे स्वरूप चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की। इस दौरान भक्तों ने अपने परिवार की सुख शांति के लिए मन्नत मांगी। त्रिलोकपुर स्थित मां के मंदिर में रोजाना आसपास के क्षेत्र समेत प्रदेश के अन्य जिलों से भी रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचकर मां के दर्शन कर उनकी कृपा प्राप्त कर रहे हैं। शनिवार सुबह से ही श्रद्धालु शहर के प्राचीन श्रीदेवी मंदिर समेत जिले में स्थित मां के मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गए थे। इस दौरान मां के भक्तों ने मां के तीसरे मनोहारी स्वरुप चंद्रघंटा की पूजा की। उन्होंने नारियल, चुनरी व प्रसाद चढ़ाकर मन्नत मांगी। खास बात यह रही की मां आदि शक्ति जगत जननी के सभी मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। शहर के श्रीदेवी मंदिर, बाला सुंदरी मंदिर, मां लक्ष्मी मंदिर, त्रिलोकपुर स्थित मां बाला सुंदरी के मंदिर समेत अन्य मंदिरों में हजारों भक्तों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की।

गांव सलेमपुर बांगर में हुआ तीन दिवसीय कथा कार्यक्रम

कथा में सुनाया भगवान शिव-पार्वती के विवाह का प्रसंग

गुरु के बिना हम इस जनम मरण के चक्रव्यूह से कदापि नहीं हो सकते मुक्त : आशुतोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते कथावाचक।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा परम पूजनीय दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम व्यासपुर के गांव सलेमपुर बांगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मौजूद कथा व्यास साध्वी सुमान्या भारती ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि माता पार्वती भगवान शिव को पति रुप में पाने के लिए घोर तप करती हैं। भगवान शिव की अनुमति पाने के पश्चात सभी देवी देवता, शिव गण, भूत प्रेत भी भगवान शिव की बारात की शोभा बनते हैं। यह प्रसंग इस संसार की प्रवृत्ति को दर्शाता है कि प्रत्येक मनुष्य सांसारिक सुख मिलने के पश्चात परमात्मा को कहीं पीछे छोड़ देता है और वह क्षणिक सुख आनंद में इतना मग्न हो जाता है कि उसे भगवान की सुधि ही नहीं रहती। पर्वतराज हिमालय की पत्नी मैना भगवान शिव का ऐसा भयावह रूप देख कर मूर्छित हो जाती हैं और होश आने पर वे माता पार्वती का विवाह भगवान शिव से करने के लिए मना कर देती हैं। तब देवर्षि नारद मैना देवी को समझाते हैं कि माता पार्वती के रूप में उनके घर स्वयं शक्ति स्वरूपा माँ भवानी ने अवतार लिया है और शक्ति शिव से कदापि अलग नहीं हैं और शिव शक्ति के मिलन में कोई बाधक नहीं बन सकता क्योंकि संपूर्ण मानव जाति के लिए भगवान शिव और माँ पार्वती की यह दिव्य लीला अत्यंत कल्याणकारी सिद्ध होगी। तभी हमारी आत्मा का परमात्मा से मिलन संभव हो पाता है क्योंकि आत्मा कभी परमात्मा से अलग नही, केवल बीच में जो मन और माया का पर्दा है उसे हटाने का कार्य गुरु स्वयं करते हैं। गुरु के बिना हम इस जनम मरण के चक्रव्यूह से कदापि मुक्त नहीं हो सकते। कथा के अंतिम दिवस पर भगवान शिव की आरती और भजन संकीर्तन भी किया गया।

दफ्तर में घुसकर डंडो से किया हमला, मामला दर्ज

- पुलिस ने दो आरोपी युवकों को नामजद करते हुए आधा दर्जन अन्य युवकों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

कहासुनी होने पर आधा दर्जन से अधिक युवकों ने जगाधरी के अग्रसेन कॉलेज के पास बने दफ्तर में घुसकर दो दोस्तों पर डंडो से हमला कर दिया। जिससे दोनों दोस्त घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपी युवकों को नामजद करते हुए आधा दर्जन अन्य युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार जगाधरी के केसर नगर निवासी शुभम ने सिटी जगाधरी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने जगाधरी के अग्रसेन कॉलेज के पास अपना दफ्तर बनाया हुआ है। उसका कुछ दिन पहले शुभम व गगन के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य दोस्तों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर इसके बाद से दोनों आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। शुभम ने बताया कि 20 मार्च को दोपहर ढाई बजे वह अपने दोस्त रोहित के साथ अपने कार्यालय में बैठा हुआ था। इस दौरान शुभम व गगन अपने आधा दर्शन अन्य साथियों के साथ उसके कार्यालय में घुस गए। आरोपियों ने आते ही उन दोनों पर डंडो से हमला कर दिया।

खबर संक्षेप

इस्कॉन में युवाओं के लिए लगा ध्यान शिविर

थानेसर। पावन गीता भूमि ज्योतिसर स्थित इस्कॉन के श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर में युवाओं के लिए आयोजित 4 दिवसीय विशेष ध्यान एवं आध्यात्मिक शिविर का सफल आयोजन किया गया। पिछले चार दिनों से चल रहे इस शिविर में युवाओं को मानसिक सुदृढ़ता, आत्मिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने हेतु भगवान के पवित्र नामों पर आधारित ध्यान पद्धति का अभ्यास कराया गया। यह साधना पद्धति आज के तनावपूर्ण जीवन में मन को स्थिर रखने और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कल

कुरुक्षेत्र। शहीदी दिवस पर 23 मार्च को प्रातः 9 बजे से 1 बजे के मध्य अनाज मंडी पिपली स्थित धर्मशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित किया जा रहा है। शिविर में कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।

रोबोटिक्स एवं डिजाइन कार्यशाला का आयोजन

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में 13 मार्च से 21 मार्च तक रोबोटिक्स, गेम डिजाइन एवं सर्किट डिजाइन विषयों पर एक विशेष कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन गीता अरोड़ा द्वारा किया गया, जिन्होंने जटिल विषयों को भी अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से विद्यार्थियों को समझाया। कार्यशाला के दौरान छात्रों ने पूरे सप्ताह उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनेक नई तकनीकी एवं रचनात्मक कौशलों को अर्जित किया। विद्यार्थियों ने ब्रेडबोर्ड सर्किट पर आधारित विभिन्न प्रोजेक्ट तैयार किए, जो विभिन्न सेंसर एवं मूलभूत सर्किट्स पर आधारित थे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ब्लॉक्स का उपयोग करके आकर्षक एवं रचनात्मक गेम्स भी तैयार किए।

तीसरे नवरात्र पर लाल वस्त्रों में चंद्रघंटा स्वरूप को किया सुसज्जित

नवरात्र में आस्था की लहर, मां भद्रकाली शक्तिपीठ में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवरात्रों के तीसरे दिन मां भद्रकाली शक्तिपीठ, कुरुक्षेत्र में मां के प्रिय शनिवार के विशेष दिन के कारण कपाट खुलने से पूर्व ही शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। तृतीय नवरात्र के अवसर पर माँ भद्रकाली की चंद्रघंटा रूप में विशेष पूजा की गई। माँ भद्रकाली को लाल वस्त्रों में चंद्रघंटा स्वरूप में सुसज्जित किया गया। पीठाध्यक्ष पं सतपाल शर्मा ने कहा कि मां चंद्रखंटा के शिख पर चंद्र और हस्त में घंटा है। चंद्रमा शांति एवं घंटा नाद का प्रतीक है। पीठाध्यक्ष ने आगे बताया कि सुबह से ही मंदिर में बहुत व्यवस्थित तरीके से माँ के श्रद्धालुओं की कतारें लगी हुई है। लाइनों में लगे हुए सभी भक्त /"जय मां भद्रकाली/", /"श्री भद्रकाली नमः/" की करमाला करते हुए श्रद्धा भाव से अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी क्रम में पूर्व मंत्री व थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा भी माँ भद्रकाली जी के दर्शनों के लिए पहुँचे, उनका स्वागत सेवक मंडल उपाध्यक्ष डॉ एम के मौदगिल ने किया। थानेसर विधायक ने मंदिर व्यवस्था करते हुए कहा कि शक्तिपीठ में निरन्तर चलते भव्य कार्यक्रम अपने आप में आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम हैं, जो न केवल श्रद्धालुओं की आस्था को सशक्त करते हैं बल्कि क्षेत्र की पहचान को भी एक नई ऊँचाई प्रदान करते हैं। शाम 4 बजे भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें सचिन मदान एंड पार्टी, ढाण्ड ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया।

कुरुक्षेत्र। थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा को मां का चित्र भेंट करते पंडित सतपाल शर्मा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आज मुख्य अतिथि के रूप में पुष्पिंद्र मुंजाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ एमके मौदगिल, सेवा प्रमुख देवेंद्र गर्ग, संयोजक सुनील वर्मा, जीवन मौदगिल, ऋषि तोमर, आशीष एवं अनिल सहित अन्य सेवक उपस्थित रहे।

माता बाला सुंदरी मंदिर में लगा भक्तों का तांता

शाहबाद। चैत्र मास के नवरात्रों के उपलक्ष में नगर के माता बाला सुंदरी मंदिर में सुबह 5 बजे से ही माता के भक्तों की भीड़ लगने शुरू हो गई। तृतीय नवरात्रि के मौके पर माता के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा अर्चना की गई। माता के भक्त नारियल चुन्नी और प्रसाद के साथ मंदिर में पहुंचे। मंदिर का पूरा भवन माता के जयकारों से गूंज मान रहा। मंदिर का भवन रंग बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया है। मंदिर सभा के मुख्य पुजारी ऋषि राज और पंडित सतीश शर्मा ने बताया चैत्र मास के नवरात्रों में चार दिवसीय मेला लगता है। मंदिर सभा के प्रधान पवन गर्ग ने बताया अष्टमी के दिन दूर दराज से माता के भक्ति दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। माता बाला सुंदरी को कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है जो भक्तजन अपने कारोबार और नौकरी के कारण बाहर रह रहे हैं वह भी अष्टमी के दिन माता को हलवा पुरी का प्रसाद चढ़ने के लिए विशेष रूप से पहुंचते हैं और बच्चों का मुंडन भी करवाते हैं। मंदिर के बाहर प्रसाद खेल खिलौने की दुकान और उत्तर प्रदेश की मशहूर मिठाई खजले वाले विशेष लोगों की पसंद रहते हैं वही मेले में बच्चों के झूलने के लिए झूले भी लगे हुए हैं।

सीएम आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दिशा की टेली लॉ कार्यशाला का करेंगे शुभारंभ

प्रौद्योगिकी सक्षम कानूनी सेवाओं के प्रभाव को दर्शाएगा कार्यक्रम : यशस्वी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय भारत सरकार विभाग के निदेशक यशस्वी कुमार ने कहा कि केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से 22 मार्च रविवार को सायं 4 बजे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमद भगवद गीता सदन में दिशा की टेली लॉ पर आधारित क्षेत्रीय कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। निदेशक यशस्वी कुमार ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आयोजित होने वाली क्षेत्रीय कार्यक्रम-सह-कार्यशाला, न्याय तक समग्र पहुंच के लिए एक अहम भूमिका अदा करेगी। यह कार्यशाला टेली-लॉ और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने वाली अन्य पहलों की पहुंच और प्रभावशीलता को बढ़ाने पर केंद्रित विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसे भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय के न्याय तक पहुंच प्रभाग के अंतर्गत न्याय विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन विभाग के उन निरंतर प्रयासों के एक हिस्से के रूप में किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-सक्षम कानूनी सेवाओं के माध्यम से न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ बनाना और प्रमुख हितधारकों के बीच सूचित विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है।

नशा तस्करों पर पुलिस का वार, 50 लाख का चूरापोस्त बरामद, 2 आरोपी पकड़े

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस ने एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 6 क्विंटल 92 किलो 907 ग्राम चूरापोस्त के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी सतपाल (चंबा) और जीतराम (सोलन) कैंटर में नशीला पदार्थ लेकर हिमाचल की ओर जा रहे थे। गुप्त सूचना पर जलबेहड़ा के पास नाकाबंदी कर कैंटर की तलाशी ली गई, जहां से करीब 50 लाख रुपये का नशा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ इस्माईलाबाद थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा को दुग्ध उत्पादन में बेहतरीन स्थान पर लेकर आएं पशुपालकः जिंदल

सांसद ने स्वस्थ पशुधन-समृद्ध किसान में पशुपालकों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में नवीन अवसर, स्वस्थ पशुधन-समृद्ध किसान कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग के सभागार में शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान एवं पशुपालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बिगनैनो वेंचर एनिमल डायग्नोस्टिक रिसर्च कंपनी की फाउंडर कोमल कालांत्री ने पशुओं की गर्भ जांच के लिए तैयार की गई प्रेगा किट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस किट के माध्यम से पशुओं के रक्त की एक बूंद इसमें डालकर कुछ ही मिनट में गर्भावस्था का नेगेटिव और पॉजिटिव रिजल्ट चेक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गर्भ की सही समय पर जचने हो पाने के कारण देश के पशुपालक लगभग 70 हजार करोड़ का नुकसान प्रतिवर्ष उठा रहे हैं। प्रेगनेंसी मैनुअल तरीके से चेक करने में 70 दिन का समय लगता है । जबकि इस किट के माध्यम से 28 दिन में पशु की प्रेगनेंसी चेक की जा सकती है। जिले से पहुंचे पशुपालकों में यह किट भी निःशुल्क वितरित की गई। सांसद नवीन जिन्दल ने गर्भावस्था किट के प्रयोग का डेमो भी पशुपालकों को दिखाया। साथ ही जांच का रिजल्ट पॉजिटिव आने पर गाय के मालिक को सांसद नवीन जिन्दल ने बधाई भी दी।

डीजल की कीमतों में उछाल से उद्योग संकट में, रोजगार पर भी मंडराया खतराः सुमित

कुरुक्षेत्र। आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता सुमित हिंदुस्तानी ने इंडस्ट्रियल डीजल की कीमतों में 22 रुपये प्रति लीटर एवं प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में 2.50 रुपए लीटर की भारी बढ़ोतरी पर कड़ा विरोध जताते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सीधे तौर पर आम जनता, छोटे व्यापारियों और संघर्ष कर रहे उद्योगों पर महंगाई का एक और बड़ा बोझ डालने जैसा है। सुमित ने कहा कि डीजल एवं पेट्रोल की कीमतों में इस बेतहाशा वृद्धि से उत्पादन लागत में भारी इजाफा होगा, जिससे रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी होंगी और महंगाई बेलगाम हो जाएगी। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे और मध्यम उद्योगों पर पड़ेगा, जिससे रोजगार के अवसर कम होंगे और आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ पेट्रोलियम पदार्थों की भरपूर उपलब्धता के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ देश के कई हिस्सों में गैस की किल्लत बनी हुई है। यह सरकार की नीतिगत विफलता और असंगति को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते इस मुद्दे पर संवेदनशीलता नहीं दिखाई, तो इसके गंभीर आर्थिक और सामाजिक परिणाम सामने आएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।

23 को पीपली चौक पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

किसान रैली को लेकर ट्रैफिक पुलिस अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पिपली में 23 मार्च को प्रस्तावित किसान रैली के मद्देनजर जिला पुलिस ने सख्त ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पीपली चौक पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने डायवर्जन प्लान लागू किया है। चंडीगढ़-अंबाला से दिल्ली जाने वाले वाहन शाहाबाद-बाबैन-लाडवा-करनाल मार्ग से गुजरेंगे, जबकि दिल्ली-पानीपत से आने वाले वाहन करनाल-इंद्री-लाडवा-बाबैन-शाहाबाद रूट का उपयोग करेंगे। कैथल, पटियाला, यमुनानगर और हिमाचल की ओर जाने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं, जिनमें पिहोवा, इस्माईलाबाद, ठोल और नलवी होते हुए मार्ग शामिल हैं। एसपी नीतीश अग्रवाल ने आमजन से अपील की है कि बिना आपात स्थिति के पीपली चौक की ओर न जाएं और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

चार नई सड़कें ग्रामीणों को समर्पित

सीएम के नेतृत्व में पंचायतें हो रही सशक्तः सुभाष कलसाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

शाहबाद। नई सड़कों का निरीक्षण करते सुभाष कलसाना व अन्य।

गांव कलसाना में पंचायत समिति की ओर से लाखों रुपए की लागत से चार नयी सडकों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। इन सडकों का उद्घाटन भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने नारियल फोडकर किया। उद्घाटन के दौरान जहां विकास कार्यों को लेकर संतोष नजर आया, वहीं ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी सामने रखीं। कार्यक्रम के दौरान सुभाष कलसाना के गांव पहुंचने पर ब्लॉक समिति सदस्य सुमित नरवाल और सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। इसके बाद आयोजित जनसभा में ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे और मुख्यातिथि के विचारों को सुना। सभा को संबोधित करते हुए सुभाष कलसाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में पंचायत स्तर पर सशक्तिकरण के साथ विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि गांवों में मूलभूत सुविधाएं मजबूत हों और हर गली तक विकास पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन विभागों की सड़कों में दिक्कतें हैं, उनके सुधार के लिए कहा गया है। ब्लॉक समिति सदस्य सुमित नरवाल ने निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि गांव में अलग-अलग स्थानों पर सडकों का निर्माण कराया गया है। उद्घाटन के बाद सुभाष कलसाना ने ग्रामीणों के साथ नयी बनी सडकों का निरीक्षण भी किया और मौके पर लोगों से फीडबैक लिया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश, रिंकू बैरागी सरपंच बीबीपुर, एडवोकेटम मनदीप रावा, सन्नी पंच, रामकुमार पंच, रतन लाल आदि मौजूद रहे।

नवयुग स्कूल में विद्यार्थियों के लिए स्प्रिंग कार्निवल का भव्य आयोजन

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर, कुरुक्षेत्र में कक्षा नर्सरी से द्वितीय के विद्यार्थियों के लिए स्प्रिंग कार्निवल का भव्य, रंगारंग एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। यह आयोजन वार्षिक परीक्षा के बाद किया गया ताकि विद्यार्थियों के बीच आनंद और उल्लास का वातावरण उत्पन्न किया जा सके। कार्यक्रम की शुरूआत जिस हर्षोल्लास के साथ हुई उससे विद्यालय का वातावरण संगीत, हंसी और उमंग से सराबोर हो गया।कार्निवल में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन खेलों ने विद्यार्थियों को न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि टीम भावना, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित किया।इसके साथ ही नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में ऊर्जा और आकर्षण का संचार किया। विद्यार्थियों ने अपने मनमोहक और जोशीले प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। हर प्रस्तुति में उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और प्रतिभा स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कला की गतिविधियों ने विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपनी भावनाओं और विचारों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया, जिससे उनकी कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मीत प्रधान को एक व्यक्ति ने मारा थप्पड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

शाहाबाद में मीरी-पीरी संस्थान में शुक्रवार रात्रि हंगामा हो गया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मीत प्रधान (जूनियर) गुरबीर सिंह तलाकौर को एक व्यक्ति ने थप्पड़ मार दिया। कुछ लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसने मीत प्रधान को दो और थप्पड़ जड़ दिए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। यह घटना मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद के दौरान हुई। इस दौरान एचएसजीएमसी के पूर्व प्रधान बलजीत सिंह दादूवाल की वहां पहुंचे, जहां उनकी शाहाबाद के डीएसपी रामकुमार से तीखी बहस भी हुई।

मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधन को लेकर विवाद

बलजीत सिंह दादूवाल अपने समर्थकों के साथ शनिवार को कुरुक्षेत्र में एसपी नीतीश अग्रवाल से मिलने पहुंचे। करीब आधा घंटे उन्होंने एसपी से बातचीत कर आरोपियों के खिलाफ करवाई की मांग की।

दादूवाल पर लगाया गुंडागर्दी का आरोप

शाहाबाद। शाहाबाद में स्थित मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रशासन ने पत्रकार वार्ता कर संस्थान पर कथित कब्जे की कोशिश को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बलजीत सिंह दादूवाल और उनके साथियों पर नाजायज तरीके से संस्थान पर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए इसे असंवैधानिक और गुंडागर्दी करार दिया। ट्रस्ट के सीईओ संदीप इंद्र सिंह चीमा ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वर्ष 2009 में मीरी-पीरी को एक स्वतंत्र चैरिटेबल ट्रस्ट घोषित किया था, जिसमें शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का कोई हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने बताया कि हरियाणा कमेटी द्वारा संस्थान पर दावा जताते हुए बनाए गए सात डॉक्टरों के बोर्ड पर अदालत ने पहले ही स्टे लगा रखा है, जो अब तक जारी है।

डा.रामराज कौशिक बने श्रीब्राहमण एवम तीर्थोद्धार सभा के संरक्षक

कुरुक्षेत्र। श्रीब्राहमण एवम तीर्थोद्धार सभा की एक बैठक में सभा के प्रस्ताव न 3 के अनुसार कुरुक्षेत्र के जाने माने ज्योतिष आचार्य डा रामराज कौशिक को वर्ष 2025 से 2028 तक सभा के संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है। सभा के प्रधान यशेंद्र शर्मा और प्रधान महासचिव रामपाल शर्मा ने बताया कि श्रीब्राहमण एवम तीर्थोद्धार सभा में संरक्षक रामराज कौशिक के आने से सभा को एक नया बल मिलेगा और इनका मार्गदर्शन से सभा के कार्य सकुशलता से होंगें श्रीब्राह्माण एवं तीर्थोद्धार सभा के मुख्य सलाहाकार जयनारायण शर्मा एडवोकेट ने गायत्री ज्योतिष अनुसन्धान केंद्र में जाकर रामराज कौशिक को आगामी तीन वर्ष के लिए सभा के संरक्षक मंडल में शामिल होने का नियुक्ति पत्र दिया और उन्हें शुभकामनाएं दी तथा कौशिक ने भी उनका स्वागत किया। विश्वास दिलाया कि श्रीब्राहमण एवम तीर्थोद्धार सभा के हर कार्य में उनके साथ ब्राह्मण समाज और मंदिरों तीर्थों के कल्याण हेतु सभा के सदस्यों के साथ मिलकर कार्य करता रहूँगा और जो सभा उनकी डयूटी लगाएगी उसे निष्ठां और ईमानदारी से करूँगा। इस मौके पर सभा के प्रधान यशेंद्र शर्मा, प्रधान महासचिव रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान श्याम सुंदर तिवारी, वरिष्ठ उप प्रधान नितिन शर्मा आदि पदाधिकारी व सभा के सदस्यों ने रामराज कौशिक को शुभकामनाएं दी।

चर्चा हरियाणा रोडवेज जागृति मंच रजिस्टर्ड नंबर 2089 कुरुक्षेत्र डिपो कमेटी की बैठक

चालक-परिचालक तथा डिपो स्तर के मुद्दों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा रोडवेज जागृति मंच रजिस्टर्ड नंबर 2089 कुरुक्षेत्र डिपो कमेटी द्वारा एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग का संचालन डिपो सचिव प्रदीप जांगड़ा ने किया और मीटिंग की अध्यक्षता डिपो प्रधान नरेश सैनी ने की। मीटिंग में चालक परिचालक तथा डिपो स्तर के सभी आवश्यक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। डिपो सचिव प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि चालक व परिचालक द्वारा कार्यनिरक्षक से एक या दो रेस्ट मांगने पर चालक व परिचालक के सारे रेस्ट व हॉलिडे लगा दिए जाते है जोकि कानून प्रक्रिया के तरीके से बिल्कुल गलत है।

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद हरियाणा रोडवेज जागृति मंच के सदस्य।

ई टिकटिंग मशीनों के प्रिंटर व प्रिंटर कवर काफी समय से खराब

प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि ई टिकटिंग मशीनों के प्रिंटर व प्रिंटर कवर काफी समय से खराब चल रहे है जिसके कारण परिचालकों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को शीघ्रातिशीघ्र दुरुस्त किया जाए। कार्यनिरक्षक द्वारा बी एस-4 बसों को बिना फिटनेस के रूट पर भेजकर जबरदस्ती चालक को ड्यूटी करने करने के लिए बाध्य किया जाता है जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने की संभावना संभव है जिसकी पूरी जिम्मेवारी डिपो प्रबंधन की होगी। डिपो प्रधान नरेश सैनी ने बताया कि कार्यनिरक्षक द्वारा सभी कर्मचारियों से एक समान ओवरटाइम नहीं करवाकर भेदभाव की नीति अपनाई जा रही है जिससे प्रतीत होता है कि कार्यनिरक्षक द्वारा समानता के अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। राज्य महासचिव ने बयान जारी करते हुए कहा कि यूनियन द्वारा दिए गए मांग पत्र के अनुसार अगर जीएम द्वारा कोई भी कार्यवाही ना करके अगर चालक परिचालकों कर्मचारियों को उनके देय लाभ नहीं दिए गए तो हरियाणा रोड़वेज जागृति मंच रजिस्टर्ड नंबर 2089 को मजबूरी वंश एक अप्रैल को सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस दौरान यदि आमजन को परिवहन सुविधा से वंचित होना पड़ता है तो इसकी पूरी जिम्मेवारी डिपो महाप्रबंधक कुरूक्षेत्र तथा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की होगी।

खबर संक्षेप

पच्चीस को टेलीफोन अदालत का आयोजन

अंबाला। सहायक महाप्रबंधक ने बताया कि अंबाला दूरसंचार जिले के अंतर्गत आने वाले सभी दूरभाष केंद्रों के उपभोक्ताओं की टेलीफोन सेवाओं से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई की जाएगी। शिकायतों को यथासंभव तुरन्त निपटाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टेलीफोन अदालत तथा खुला दरबार का आयोजन 25 मार्च 2026 दिन बुधवार को 11.00 बजे कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार किया जाएगा। इस अदालत मे उपभोक्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा महाप्रबंधक द्वारा किया जाएगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

अंबाला। एनएचआरडीएफ द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन एमआईडीएच तहत प्याज एवं लहसुन की उन्नतशील प्रजातियां, उत्पादन तकनीकी एवं कटाई उपरांत प्रबंधन विषय पर कृषि विज्ञान केंद्र तेपला में आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस कार्यक्रम में 50 किसानों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ राजीक ने बागवानी विभाग द्वारा प्याज एवं लहसुन पर चलाई जा रही योजनाओं एवं अनुदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अंबाला रेंज के 28 जवानों को मिली पदोन्नति

अंबाला। बेहतर सेवाएं देने व कर्तव्यनिष्ठा निभाने वाले अंबाला रेंज के 28 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारी को पदोन्नति का तोहफा मिला है। अंबाला रेंज के आईजी पंकज नैन सभी पदोन्नत कर्मियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इनमें रेंज के 9 अधिकारियों को ऑनरेरी इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट किया गया है, जबकि 19 सहायक उप-निरीक्षकों (एएसआई) को उप-निरीक्षक (एसआई) बनाया गया है। ईएसआई, एचसी एएसआई से ऑनरेरी इंस्पेक्टर में चरणजीत सिंह, सुरेंद्र आदि शामिल हैं।

जीएम ने बस अड्डे का औचक निरीक्षण किया

अंबाला। हरियाणा रोडवेज अंबाला डिपो के महाप्रबंधक अश्वनी डोगरा ने अंबाला कैंट बस अड्डे का औचक निरीक्षण किया। दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ईद-उल-फितर का पावन त्योहार आस्था और उल्लास के साथ मनाया

देश की खुशहाली और भाईचारे की मजबूती के लिए दुआएं मांगीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर में आज ईद-उल-फितर का पावन त्यौहार पूरे धार्मिक उत्साह, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की विभिन्न मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जामा मस्जिद, मक्का मस्जिद, मस्जिद मदीना, मस्जिद गनी, मस्जिद लक्खीशाह तथा मस्जिद ईदगाह सहित अन्य इबादतगाहों में हजारों अकीदतमंदों ने एक साथ ईद की नमाज अदा की।

नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगा ईद की मुबारकबाद दी

नमाज के बाद लोगों ने देश की खुशहाली, अमन-शांति और भाईचारे की मजबूती के लिए विशेष दुआएं मांगीं। नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे पूरा वातावरण प्रेम और सद्भावना से सराबोर हो गया। इस अवसर पर अंजुमन इसलाहुल मुस्लिमीन सोसायटी के जिला प्रधान सैयद अहमद खान ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर और माता रानी के नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर मुसलमानों के लिए खुदा की एक बड़ी नेमत है जो रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद ईनाम के रूप में मिलती है। यह पर्व हमें संयम, त्याग, सब्र और मानवता की सेवा का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि 'ईद-उल-फितर' शब्द का अर्थ फितरा अदा करने से जुड़ा है, जो हर मुसलमान पर अनिवार्य होता है।

अंबाला। एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे ईद के इस पावन अवसर पर आपसी रंजिशें भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाएँ और समाज में फैली ऊंच-नीच, अमीर-गरीब की खाई को समाप्त करने का प्रयास करें। इस मौके पर मुफ्ती मोहम्मद शहबाज कासमी, सैयद अमीनुर रहमान, कारी मोहम्मद राशिद, कमरूल इस्लाम, नासिर हुसैन, सरफराज, शाहनवाज, मोहम्मद सोहेल, कारी उजैर अहमद, नौशाद हुसैन, असद अहमद, रज्जुक तुल्ला खान, मुहम्मद सिराजुल, शाहिद ठेकेदार, मशरूफ सिद्दीकी, अब्दुल वली खान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ईद की खुशियां साझा कीं और समाज में प्रेम, शांति और एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

रोजा इंसान को आत्म संयम-धैर्य सिखाता है

सैयद अहमद खान ने कहा कि इस्लाम में जकात और फितर देने का विशेष महत्व है। जो व्यक्ति साहिबे निसाब (यानी जिसके पास साढ़े 7 तोला सोना या साढ़े 52 तोला चांदी या उसके बराबर रकम) होता है उस पर अपनी संपत्ति का 2.5 प्रतिशत हिस्सा जरूरतमंदों जैसे फकीर, मिस्कीन, कर्जदार, मुसाफिर और अन्य जरूरतमंदों को देना फर्ज होता है। इसके अलावा हर परिवार के प्रत्येक सदस्य की ओर से फितरा के रूप में लगभग ढाई किलो गेहूं या उसकी कीमत गरीबों को देना आवश्यक माना गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का कोई भी वर्ग ईद की खुशियों से वंचित न रहे और सभी लोग मिलकर इस त्योहार को समान रूप से मना सकें। उन्होंने आगे कहा कि रोजा इंसान को आत्म संयम और धैर्य सिखाता है, वहीं ईद का दिन इन मूल्यों को जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। इस्लामी त्यौहार केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे समाज में भाईचारा, सहानुभूति और इंसानियत का संदेश फैलाते हैं।

बराड़ा। ईद की नमाज अदा करने के बाद मस्जिद में जलपान करते हुए नमाजी।

मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से मनाई ईद

- नमाज पढ़ने के बाद मांगी देश के अमन-चैन की दुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

क्षेत्र में ईद उल फितर का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। पवित्र ईद के मौके पर मुस्लिम समाज में खुशियों और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह होते ही लोग नए कपड़े पहनकर ईदगाह, मस्जिदों की ओर रवाना होने लगे। जहां पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने एकत्र होकर सामूहिक रूप से ईद-उल-फितर की नमाज अदा की। बराड़ा के इलावा मुलाना, सिरसगढ़, जलूबी, तंदवाल में ईद की सामूहिक नमाज पढ़ी गई। गांव तंदवाल में ईद की नमाज से पहले इमाम साहब ने तकरीर करते हुए लोगों को आपसी भाईचारे, प्रेम और शांति का संदेश दिया। नमाज के बाद देश के अमन - चैन की दुआ मांगी गई। नमाज अदा करने के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर "ईद मुबारक" कहा और खुशियां सांझा कीं। छोटे बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला, जो नए कपड़े पहनकर और ईदी पाने की खुशी में झूमते नजर आए। नमाज के बाद सभी नमाजियों के लिए दस्तरखान तैयार किए गए। महिलाओं ने भी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाकर इस त्यौहार की रौनक को बढ़ाया।

ये रहे मौजूद

गांव के कुछ बुजुर्गों ने बताया कि ईद का त्यौहार सिर्फ खुशियां मनाने का ही नहीं बल्कि जरूरतमंदों की मदद करने और समाज में भाईचारा बनाए रखने का भी संदेश देता है। इस अवसर पर कई लोगों ने गरीबों और जरूरतमंदों को जकात और फितरा देकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। नमाज के बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में जाकर परिवार के साथ ईद का जश्न मनाया। घरों में सेवइयों की मिठास और खुशियों की महक पूरे गांव में फैल गई। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर बधाई दी। मिल-जुलकर त्यौहार का आनंद लिया। इस तरह ईद का त्यौहार पूरी श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया जिसने समाज में एकता और सद्भाव का संदेश दिया। इस मौके पर अनवर खान, रशीद मोहम्मद, जाफरदीन, मुख्तयार खान, घसीटूदीन, रमेश, खैरदीन, मेहरबान, जयपाल, मामूदीन भी मौजूद रहे।

जनगणना में डीएनटी का कॉलम हो

- डीएनटी समाज के पदाधिकारियों ने नेता विपक्ष के समक्ष रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

विमुक्त घूमंतू अर्ध घूमंतु जनजाति का देश भर से एक प्रतिनिधि मंडल ऑल इंडिया कांग्रेस के अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम की देखरेख में राष्ट्रीय समन्वयक व विमुक्त घूमंतु जनजाति के राष्ट्रीय प्रभारी एसपी सिंह लबाना की अध्यक्षता मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी माता सोनिया गांधी के आवास पर मिला। इसमें रेनके आयोग के पूर्व चेयरमैन बाल कृष्ण रेनके ने भी शिरकत की। बैठक मे लबाना ने डीएनटी समाज जो पूरे देश में 15 करोड़ से ऊपर है व सभी प्रांतों मे अपना जीवन यापन करता जो देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष उपरांत भी मुलभुत सुविधाओं से वंचित है। समाज के लिए मांग कि प्रस्तावित होने वाली जनगणना में डीएनटी का कालम हो ताकि इस समाज की सही आबादी सामने आ सके।

अंबाला। नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करते डीएनटी समाज के लोग।

राहुल गांधी ने सहमति जताई

इससे वंचित समाज भी देश की मुख्य धारा मे शामिल हो सके इस अवसर पर अशोक बरतिया ने भी राहुल गांधी से यह अपील की कांग्रेस पार्टी मे इस समाज को जोड़ने के लिए जो कांग्रेस की विचार धारा में विश्वास रखता उसके लिए विभाग बनाया जाए। इस पर राहुल गांधी ने अपनी सहमति जताई।

नमाज अदा कर दी ईद की मुबारकबाद

- नमाज अदा कर अल्ला ताला से बरकत तथा विश्व में अमन-चैन की दुआ मांगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर की बादशाही मस्जिद में रजा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी द्वारा ईद-उल-फितर पर्व श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया गया । रजा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी के प्रधान मोहम्मद मेराज आलम ने बताया कि मुस्लिम समाज के लोगों ने बादशाही मस्जिद में नमाज अदा करके अल्ला ताला से बरकत तथा विश्व में अमन चैन की दुआ मांगी। बादशाही मस्जिद मे ईद की नमाज इमाम मौलाना मोबससिर रजा ने पढाई।इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद पर्व की बधाई दी। मेराज अलाम ने कहा कि ईद का त्योहार हमें भाईचारे का संदेश देता हैं, जिससे मिल - जुलकर रहने की प्रेरणा मिलती है । जो मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति दूसरे धर्मों को आदर नहीं करता वह सच्चा मुसलमान नहीं है। उन्होंने सभी मुस्लिम भाईयों को बुराई के रास्ते को त्यागकर अच्छाई के रास्ते पर चलने की नसीहत दी। नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर खरीददारी की व एक दूसरे को ईद की बधाई दी। ईद के पकवान सिवईयां का लुत्फ उठाया।

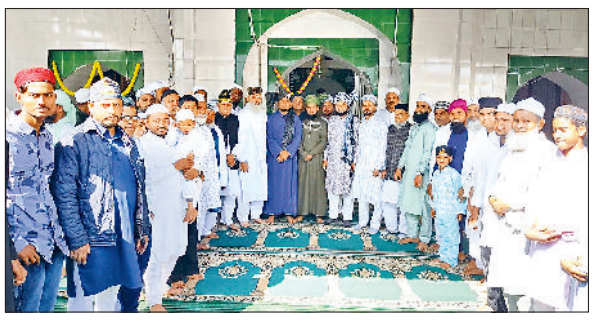

अंबाला। ईद पर एकजुट मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर शाहिद खान, मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद फारुख, मोहम्मद नौशाद, इसरार खान, वाहिद, अमीन, मोहम्मद नूर, आजम, मोहम्मद जुनैद अंसारी, मोहम्मद उवैश, मोहम्मद शान अरशद अली, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद शमीम, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद सालिक, मोहम्मद ईशाक, मासूम रजा, वसीम रजा, अबरार अंसारी आदि मौजूद रहे।

वेंडर पर दस हजार का जुर्माना लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से अतिरिक्त रुपये लेने को लेकर वेंडर पर जुर्माने की कार्रवाई हुई है। अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर स्थित कैटरिंग स्टाल संख्या-1 से रेल नीर की बोतल निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेची गई। शिकायत सही पाए जाने पर रेलवे ने सख्त कार्रवाई की है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने आरोपी वेंडर मेसर्स रेखा मीणा पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है, इसके साथ ही चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति होने पर लाइसेंस निरस्त करने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। : मामले का खुलासा तब हुआ जब एक यात्री ने रेल मदद पोर्टल पर ओवरचार्जिंग को लेकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 11 मार्च 2026 को स्टाल पर पानी की बोतल के लिए तय मूल्य से अधिक रुपये वसूले गए। खास बात यह है कि उक्त वेंडर के खिलाफ पहले भी इस तरह की शिकायतें प्राप्त हो चुकी थीं। शिकायत मिलते ही वाणिज्य विभाग की टीम ने स्टेशन पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान यात्रियों से पूछताछ और स्टाल की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद ओवरचार्जिंग की पुष्टि हुई।

- यात्री की शिकायत पर रेलवे की ओर से हुई कार्रवाई

भाजपा-कांग्रेस मिलकर प्रदेश को कर रही बर्बाद

- इनेलो नेता शेर सिंह बड़शामी ने युवा सम्मेलन के लिए ग्रामीणों को दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

इंडियन नैशनल लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिला के प्रभारी शेर सिंह बड़शामी ने कहा जनता जान चुकी है कि भाजपा व कांग्रेस दोनों पार्टियां मिलकर प्रदेश को बर्बाद कर रही हैं। अब पूरे प्रदेश की जनता इंडियन नेशनल लोकदल की तरफ उम्मीद की निगाह से देख रही है। आने वाले समय इंडियन नेशनल लोकदल का है। बड़शामी शहीद भगत सिंह सुखदेव, राजगुरु के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 23 मार्च को नरवाना में होने वाले इनैलो के युवा सम्मेलन को लेकर रछेड़ी में आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता इनेलो जिलाध्यक्ष जगमाल सिंह रोलौं ने की। शेर सिंह बड़शामी ने जनता से आह्वान किया कि जात-पात का जहर घोलने वालों को छोड़कर जनता के हित में कार्य करने वाले लोगों के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार बेरोजगारी के साथ-साथ हर वर्ग के साथ भेदभाव कर रही है। ऐसे में केवल अभय सिंह चौटाला लोगों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उससे स्पष्ट है कि प्रदेश की जनता उनका साथ देकर उन्हें प्रदेश की सत्ता सौंपने का काम करेगी।

शहजादपुर। इनेलो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते शेर सिंह बड़शामी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर प्रदेश महासचिव शीशपाल जंधेड़ी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तेजपाल शर्मा, आईएसओ के जिलाध्यक्ष आजादविंदर सिंह जगोली,भूप सिंह गुर्जर, तारा सिंह रछेड़ी, इकबाल सिंह रछेड़ी, जसपाल सिंह, मुकेश कुमार, गोल्डी बतौरा, अकरम खान, मौसिम खान, सुरजीत सिंह, जगदीश बुड्ढाखेड़ा, रिंकू जटवाड़, शेरा , राजेश, बलदीप सिंह, संपत सिंह, साहब सिंह शेरपुर, बलविंदर बेरपूरा, जसवंत रोलों, मनीष बिल्लपुरा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोटे मुनाफे के चक्कर में युवक ने 43.22 लाख रुपये गंवाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

साइबर ठगों ने घर बैठे काम व ऑनलाइन रेटिंग के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर नन्हेड़ा के मिलाप नगर के ऋषभ शर्मा से 43.22 लाख रुपये धोखाधड़ी की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऋषभ शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक टेलीकॉम कंपनी में कार्यरत है। सितंबर 2025 में उसे टेलीग्राम पर एक आईडी से मैसेज मिला था। जिसमें रेंट कंपनी की संपत्तियों को ऑनलाइन रेटिंग देने के बदले मुनाफे का वादा किया गया था। शुरुआत में उसे रिलेटर्स सर्कल नाम के ग्रुप में जोड़ा गया व कुछ छोटे टास्क पूरे करने पर विश्वास जीतने के लिए मामूली रिटर्न भी दिखाया गया। पहले 10 हजार रुपये जमा करवाए गए। ठगों ने उसे सपोर्ट टीम से बात करने को कहा। इसके बाद उसे मोटे मुनाफे का लालच दिया गया। परिवादी का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ मोटी ठगी। पुलिस ने केस दर्ज कर अब आरोपियों की तलाश चल रही है।

रेंट कंपनी की संपत्तियों को ऑनलाइन रेटिंग देने के बदले मुनाफे का वादा किया गया था।

- पुलिस ने दर्ज किया केस

रिहायशी भवन में सोना दबा होने का लालच देकर 14.60 लाख ठगे

- पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

घर में सोने-चांदी की ईंटें दबी होने का झांसा देकर तांत्रिक विद्या के नाम पर किसान अजय से 14.60 लाख रुपये की ठगी हो गई। शातिर पांच ठगों ने रुपये हड़पने के बाद किसान को नकली सिक्के थमा दिए। किसान को बाद में ठगी का पता चला। शहजादपुर पुलिस ने डीएसपी नारायणगढ़ के आदेश पर पांच आरोपी यमुनानगर के डारपुर गांव अली अहमद, अब्दुल वाजिद व सहारनपुर के मच्छरेहड़ी गांव के जाकिर खान, उसकी पत्नी अंजुम जाखिर व एक अन्य अली मलिक पर केस दर्ज किया है। यहां के रहने वाले अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जुलाई 2025 में उसकी मुलाकात अली अहमद, अब्दुल वाजिद और जाकिर खान से हुई थी। आरोपियों ने बातों में फंसाकर कहा कि उसके माथे की लकीरें बहुत तेज हैं। उसके घर में भारी मात्रा में सोना-चांदी दबा हुआ है, जिसे वह अपनी तांत्रिक शक्ति से निकाल सकते हैं। आरोपी उसे लगातार बहकाते रहे। 13 अगस्त 2025 को आरोपियों ने पहली बार उससे नकदी और चेक लिया। साहा, साढौरा और बिलासपुर में बुलाकर अलग-अलग तारीखों में कभी ऑनलाइन तो कभी नकद रुपये लिए गए।

जान से मारने की धमकी दी

आरोपियों ने कुल 14.60 लाख रुपये हड़प लिए। ठगी का अहसास तब हुआ जब आरोपियों ने एक मिट्टी के बर्तन में लाल कपड़े में लपेटकर कुछ सिक्के दिए, जो जांचने पर नकली पाए गए। रुपये मांगने पर आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव रोहित जैन ने सरकार पर बोला हमला

मुआवजे की राशि देखकर सरकार के किसान हितैषी होने की पोल खुली

मुआवजे के नाम पर प्रदेश सरकार धरतीपुत्रों से कर रही है मजाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

मुआवजे के नाम पर किसानों के साथ हो रहे मजाक को लेकर अब कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन का आरोप है कि भाजपा सरकार मुआवजे के नाम पर किसानों को जलील कर रही है। कहा कि जिस तरह सरकार बाढ़ से प्रभावित फसलों का प्रीमियम इंश्योरेंस होने के बाद भी किसानों के खाते में में 200-300 रुपए मुआवजा आ रहा है उससे सरकार के किसान हितैषी होने की पोल खुल गई है। कहा कि इंश्योरेंस क्लेम की ये राशि देखकर किसान भी बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसान हितैषी होने का थोथा दावा करती है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि बरसाती सीजन में आई बाढ़ से प्रदेश के कई जिलों की फसलें पानी में डूब गई थी। इन फसलों का मुआवजा अब कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। जैन ने आरोप लगाया कि कम नुकसान वाले खेत की जांच कर कंपनी अधिक नुकसान वाले खेतों को भी उसी के हिसाब से मुआवजा दे रही है। कहा कि किसानों के खातों में मुआवजे के नाम पर सिर्फ 171 रुपए आए हैं जबकि बीमा कपनी ने इंश्योरेंस की एवज में 4 हजार काट लिए है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि हिसार के सीसवाल गांव के सत्यवीर के खाते में मुआवजे के नाम पर केवल 983 रुपए हैं।

एडवोकेट रोहित जैन।

- इंश्योरेंस क्लेम की राशि देखकर किसान व्यथित

नाममात्र का क्लेम डाला जा रहा

डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के पूर्व प्रेजिडेंट रोहित जैन ने कहा कि राज्य सरकार ने तो महिला किसानों का भी उपहास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बताया कि हिसार के ही गांव सीसवाल की महिला किसान निर्मला देवी के खाते में फसल खराब होने पर मुआवजे के नाम पर केवल 127 रुपये की राशि आई है। जबकि उसकी साढ़े तीन एकड़ फसल को बरसाती पानी से नुकसान हुआ है। जैन ने कहा कि जिस तरह सरकार मुआवजे के नाम पर किसानों का बेवकूफ बना रही है उससे साफ जाहिर है कि उसकी नीति व नीयत पूरी तरह से किसान विरोधी है। किसानों के खाते में नाममात्र का क्लेम डाला जा रहा है जबकि बीमे के नाम पर उन्हें मोटा चूना लगाया जा रहा है। उन्होंने इस बार पर भी दुख जताया कि प्रदेश में ऐसे किसानों की संख्या भी बेहद ज्यादा है जोकि 2022 का बीमा क्लेम के लिए भटक रहे हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 22 मार्च 2026

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

{ साहित्य सम्मान }

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

जम्मू-कश्मीर में स्थित माता वैष्णो देवी का मंदिर सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यूं तो इस शक्तिपीठ में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान माता रानी के दर्शन की महत्ता और भी बढ़ जाती है। इस धार्मिक स्थल की विशिष्टताओं और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं पर एक दृष्टि।

श्रद्धा-भक्ति का अद्वितीय स्थल
माता वैष्णो देवी मंदिर

{ आस्था / वीना गौतम }

सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

हालांकि नवरात्र के पावन अवसर पर 51 शक्तिपीठों में से हर शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ता है। इस अवसर पर मां वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। कह सकते हैं कि नवरात्र के समय यह राष्ट्रीय आस्था का सबसे स्पंदित केंद्र बन जाता है। ऐसा क्यों होता है, इसे समझने के लिए हमें वैष्णो देवी मंदिर से जुड़ी मान्यताओं, धार्मिक आस्थाओं और इसकी दिव्य भौगोलिक संरचना के बारे में समझना होगा।

जुड़ी हैं पौराणिक मान्यताएं

जम्मू-कश्मीर के कटरा से लगभग 12-13 किलोमीटर ऊपर की तरफ त्रिकूट पर्वत पर लगभग 5200 फीट की ऊंचाई पर स्थित मंदिर में मां वैष्णो देवी तीन पिंडियों (महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती) के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की बहुआस्था का कारण इसकी पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यता है। माना जाता है कि वैष्णो देवी मंदिर जिस त्रिकुटा पर्वत पर स्थित है, उसकी ही गुफा में देवी मां ने तपस्या की थी, साथ ही भैरवनाथ वध की कथा भी यहां की धार्मिक चेतना का केंद्र है।

नवरात्र में लगता है भक्तों का जमावड़ा

वैष्णो देवी मंदिर श्रद्धालुओं के आवक के हिसाब से देश के सबसे व्यस्त मंदिरों में से एक है। आमतौर पर इस मंदिर में हर साल 80 लाख से एक करोड़ के बीच लोग दर्शन के लिए आते हैं और इनमें करीब 30 से 40 प्रतिशत श्रद्धालु सिर्फ नवरात्र के समय ही आ जाते हैं, उनमें भी चैत्र नवरात्र पर विशेष रूप से सबसे ज्यादा भक्त यहां आते हैं। चैत्र नवरात्र चूंकि देवी शक्ति के जागरण का समय और देवी की उपासना का चरम काल माना जाता है। यही कारण है कि यह स्थान चैत्र नवरात्र के समय विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन जाता है।

चैत्र नवरात्र से हिंदुओं का नववर्ष प्रारंभ होता है। ऐसे में यह समय सिर्फ पूजा का नहीं बल्कि नए संकल्पों का समय भी होता है। देशभर में जब घर-घर में इन दिनों घट स्थापना होती है, तब उसका राष्ट्रीय प्रतिरूप वैष्णो देवी मंदिर के रूप में दिखता है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित यह मंदिर उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम, देश की सभी दिशाओं को आपस में जोड़ता है। जब देश के कोने-कोने से लाखों लोग आस्था के इस हृदय स्थल तक पहुंचते हैं, तब यह तीर्थस्थल भर नहीं रह जाता बल्कि राष्ट्रीय समावेशन का इंद्रधनुषी दृश्य बन जाता है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

चैत्र नवरात्र के समय यहां आने वाले अधिकांश श्रद्धालु नए वर्ष की शुरुआत के मनोभाव से आते हैं और अपनी किसी मनोकामना या आकांक्षाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। यहां आने वाले आस्थावान हिंदू अपने जीवन के हर संकट का समाधान खोजने के लिए मां से विनती करते हैं। नवरात्र के दौरान विशेष रूप से वैष्णो देवी मंदिर के समूचे परिक्षेत्र में विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं की आस्था और मनोकामना-पूर्ति का विशिष्ट केंद्र बनकर उभरता है मां वैष्णो देवी मंदिर।

मंदिर तक पहुंचने के हैं कई विकल्प

वैष्णो देवी मंदिर का प्रबंधन वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड करता है। यहां पैदल, घोड़ा, पालकी, हेलीकॉप्टर और हाल के सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

डिजिटल दर्शन की सुविधा

इस डिजिटल मीडिया युग में मां वैष्णो देवी मंदिर की जगमगाहट कुछ और ही निखरकर देश के कोने-कोने तक अपना उजास पहुंचा रही है। मंदिर का लाइव दर्शन, सोशल मीडिया ट्रेंड, ऑनलाइन पंजीकरण और डिजिटल कतार प्रबंधन में भी देखा जा सकता है। चैत्र नवरात्रों में यह मंदिर एक राष्ट्रीय इवेंट सेंटर की तरह उभरता है। इस दौरान देशभर के कई टीवी चैनल वैष्णो देवी मंदिर की कवरेज जरूर करते हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान

चूंकि कटरा और उसके आस-पास का क्षेत्र हमेशा मंदिर के तीर्थयात्रियों से भरा होता है, इसलिए इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बेहद संपन्न है और जम्मू-कश्मीर की संपन्नता में भी इस मंदिर की एक विशिष्ट भूमिका है। नवरात्र के समय और बाकी समय भी होटल, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय व्यापार, सब उच्चतम स्तर तक पहुंच जाते हैं। स्थानीय लोगों को हर समय यहां रोजगार उपलब्ध रहता है। इसलिए वैष्णो देवी मंदिर सिर्फ धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधि का भी एक सचल केंद्र बनकर उभरता है।

संगठित-प्रबंधित शक्तिपीठ

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार 51 शक्तिपीठ हैं, जिनमें से कुछ पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका देशों में स्थित हैं। संगठन और प्रबंधन की दृष्टि से देखा जाए तो वैष्णो देवी मंदिर को सबसे संगठित और प्रबंधित शक्तिपीठ माना जाता है। इस वजह से भी यह विशेष रूप से उत्तर भारत के मध्यवर्गीय और ग्रामीण लोगों की धर्म और संकल्प यात्रा का केंद्र बन जाता है।

वैष्णो देवी मंदिर हर सनातन धर्म के अनुयायी के धार्मिक मानस में स्थापित है। साल भर खुला रहने वाला और कठिन पर्वतीय यात्रा का अनुभव देने वाला यह मंदिर सामूहिक संकल्प और तपस्या का प्रतीक भी है। चैत्र नवरात्र के समय ये सब चीजें एक साथ सक्रिय होती हैं। इसलिए भक्तों के मन में इसका विशिष्ट स्थान है। *

वैसे तो अपने देश में शक्तिपीठों समेत मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। इनमें से कुछ ऐतिहासिक और अनोखे मंदिर भी हैं। कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर भी इनमें शामिल है। इस मंदिर की महत्ता पर एक नजर।

ऐतिहासिक-अनोखा है
चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर

{ धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन }

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना है। यह मंदिर शहर के सबसे पुराने दुर्गा मंदिरों में से एक है। भक्तों की आस्था के केंद्र इस मंदिर से कई ऐतिहासिक तथ्य और किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। यह मंदिर सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 4:30 बजे से 9:00 बजे तक रोजाना खुला रहता है।

मंदिर का निर्माण

कहते हैं कि यह मंदिर मूल रूप से अपराध की दुनिया से समाज की मुख्य धारा में लौटे एक डाकू, चित्ते डकैत द्वारा बनवाया गया था। इस डकैत को सपने में नीम की लकड़ी से देवी दुर्गा की प्रतिमा बनाने का आदेश प्राप्त हुआ था। यह मूर्ति आज भी मंदिर में विद्यमान है। चित्ते की मृत्यु के बाद मंदिर को कई वर्षों तक लगभग भुला दिया गया। सन 1586 में एक साधु नरसिंह ब्रह्मचारी ने इसे फिर से खोजा और 1610 में मनोहर घोष ने इसे दोबारा बनवाया, जो वर्तमान रूप में मौजूद है। मंदिर की देखभाल की जिम्मेदारी बाद में रॉय चौधुरी परिवार को सौंपी गई, जो आज भी इसका प्रबंधन करते हैं। वर्तमान में, काशीश्वर रॉय चौधुरी मंदिर के प्रबंधन की देख-रेख करते हैं।

ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व

चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर का बहुत अधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। देखा जाए तो इस मंदिर का इतिहास कोलकाता से भी पुराना है, क्योंकि कोलकाता की आधिकारिक स्थापना से कई दशक पूर्व इस मंदिर की स्थापना हो गई थी। यह मंदिर कोलकाता के प्रारंभिक इतिहास और स्थानीय लोककथाओं का हिस्सा रहा है, जो इसे एक अनोखा और रहस्यमय स्थल बनाता है। यह मंदिर डाकुओं द्वारा पूजे जाने के लिए भी जाना जाता है, जो आमतौर पर देवी काली की भक्ति करते थे।

मंदिर में मौजूद प्रतिमाएं

इस मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा नीम की लकड़ी से बनी है और इसमें 10 हाथ हैं। प्रतिमा में मां दुर्गा एक सफेद सिंह पर सवार हैं, जो महिषासुर को काट रहा है, उनके पास एक बाघ भी है, जो उस समय के जंगली वातावरण को दर्शाता है। हर साल इस प्रतिमा पर रंग-रोगन किया जाता है ताकि इसकी सुरक्षा और रख-रखाव सुनिश्चित हो सके। मंदिर में शीतला माता की प्रतिमा भी है। यहां मां दुर्गा के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु, शीतला माता की पूजा के लिए भी आते हैं। इनके अलावा इस मंदिर में कुछ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी हैं। इनमें भगवान शिव, हनुमानजी, जगन्नाथजी, बलरामजी, सुभद्राजी, राधाजी और कृष्णजी के अलावा लोकनाथ बाबा की प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

उत्कृष्ट वास्तुशिल्प

यह एक शांत प्रार्थना स्थल है, इस मंदिर का परिसर शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण प्रदान करता है। मंदिर की बाहरी दीवारों को पीले और लाल रंग से रंगा गया है। मंदिर का केंद्र एक विशाल नट मंदिर है, जो मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने स्थित है। मंदिर के पिछले हिस्से में एक श्मशान है, जिसमें सदियों पुराना एक नीम का पेड़ है, जो किसी दौर में तांत्रिकों द्वारा उपयोग किया जाता था। लगभग 6800 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला यह मंदिर पारंपरिक बांग्ला मंदिर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नवरात्र में होती है विशेष पूजा

यहां दैनिक के साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष पूजा उत्सव मनाए जाते हैं। नवरात्रों के दौरान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। *

{ उपयोगी पेड़ / वीना }

आर्थिक रूप से फायदेमंद
स्ट्रॉबेरी की खेती

दिखने में खूबसूरत, स्वादिष्ट, पौष्टिक और थोड़ा महंगा बिकने वाला स्ट्रॉबेरी फल का झाड़ीनुमा पेड़ आकार में छोटा होने के बावजूद किसानों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे की विशेषताएं: इनके पौधे की ऊंचाई 6 से 8 इंच तक ही होती है। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रैगेरिया अनानासा है। यह रोजेसी यानी गुलाब कुल का पौधा है। इसकी प्रकृति बहुवर्षीय है, लेकिन व्यवसायिक खेती में पौधे को हर दो या तीन साल में बदलना पड़ता है। एक पौधे से सामान्यतः 150 से 400 ग्राम तक फल मिलते हैं। इसके लिए ठंडी जलवायु, अनुकूल होती है। ठंडी रात और हल्की धूप इसकी मिठास को बढ़ाती है। स्ट्रॉबेरी के पौधे के लिए दोमट मिट्टी अच्छी होती है।

अपने देश में महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पुणे, सतारा, हिमाचल प्रदेश के शिमला, सोलन, उत्तराखंड के नैनीताल, देहरादून, कर्नाटक के चिकमंगलुरु, कोडागू, जम्मू-कश्मीर के बारामूला, पुलवामा समेत उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय, नागालैंड में इसकी खेती होती है। हाल के सालों में मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी छोटे स्तर पर स्ट्रॉबेरी की खेती के प्रयोग हुए हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: स्ट्रॉबेरी की खेती से किसान अच्छी इनकम कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए खेती की सही योजना, सही तकनीक का इस्तेमाल और बाजार से सही तरह का कारोबारी जुड़ाव होना जरूरी है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए आदर्श तापमान 18 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। पहाड़ी क्षेत्र, ऊंचे पठार और ठंडे मैदानी इलाके इसकी खेती के लिए सबसे उपयुक्त हैं। अगर आप गर्म और ह्यूमिड परिस्थितियों में स्ट्रॉबेरी खेती करना चाहते हैं, तो ग्रीन हाउस या पोली हाउस में ही यह संभव है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नर्सरी के रोगमुक्त पौधे होने जरूरी हैं। तभी बेहतर किस्म, बेहतर आकार, बेहतर रंग और मिठास की स्ट्रॉबेरी मिलती है। स्ट्रॉबेरी के लिए जरूरी है प्लास्टिक मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई जाए। इससे नमी बनी रहती है, खरपतवार कम होते हैं और फल साफ और आकर्षक लगते हैं। साथ ही इससे उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ जाता है। स्ट्रॉबेरी से किसान भरपूर फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे महज ताजा फल बेचने तक सीमित न रहें बल्कि वैल्यू एडिशन के जरिए स्ट्रॉबेरी जैम, जूस/स्क्वैश, पल्प, फ्रोजन स्ट्रॉबेरी, आइसक्रीम व बेकरी को सप्लाई की जाए। क्योंकि प्रोसेसिंग के बाद स्ट्रॉबेरी अपनी फल वाली कीमत के 3 से 4 गुना महंगी हो जाती है। *

{ कला जगत / अंजू जैन }

रंगमंच यानी थिएटर मनोरंजन की सबसे पुरानी विधाओं में से एक है। प्राचीन काल से ही दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में किसी न किसी रूप में रंगमंच मौजूद रहा है। आज भी देश-दुनिया में अलग-अलग प्रकार की नाट्य विधाएं प्रचलित हैं। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के अवसर पर इसके विभिन्न स्वरूपों पर एक नजर।

कला और मनोरंजन का
जीवंत स्वरूप है रंगमंच

रंगमंच यानी थिएटर न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमारी सभ्यता का प्रतिबिंब भी है। भारत में रंगमंच की जड़ें लगभग पांच हजार वर्ष पुरानी मानी जाती हैं, जो संस्कृति और परंपराओं से गहरी जुड़ी हुई हैं। इसका मूल ऋग्वेद के संवादों से माना जाता है। भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न रंगमंच स्वरूप हमें यह सिखाते हैं कि भाषा या संस्कृति भले ही अलग हो, लेकिन मानवीय भावनाएं- प्रेम, क्रोध, भय और हास्य, पूरी दुनिया में एक जैसी हैं। हर साल 27 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व रंगमंच दिवस इसी विविधता और एकता का उत्सव है। हालांकि रंगमंच के क्षेत्र में बदलते दौर के साथ तकनीक एवं अन्य कई स्तरों पर बदलाव हुए हैं, लेकिन यह आज भी लोगों को खूब पसंद आता है।

पहला ग्रंथ और नाट्यशाला: रंगमंच से संबंधित पहला ग्रंथ भारत में ही लिखा गया। भरत मुनि द्वारा रचित 'नाट्यशास्त्र' को विश्व में नाट्यकला पर लिखा गया पहला औपचारिक ग्रंथ माना जाता है। भारतीय परंपराओं में 'नाट्यशास्त्र' को 'पंचम वेद' (पांचवां वेद) भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी कलाओं और ज्ञान का समावेशन है। छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ पर स्थित सीतावांगा गुफा को भारत का सबसे पुरानी नाट्यशाला यानी थिएटर माना जाता है। माना जाता है कि यहीं महाकवि कालिदास ने नाट्य परंपरा की शुरुआत की थी। इस तरह देखा जाए तो दुनिया की पहली नाट्यशाला की स्थापना भारत में ही हुई थी। भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य और रंगमंच का जनक माना जाता है। भारत में प्राचीन और मध्यकालीन रंगमंच मुख्य रूप से रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक गाथाओं पर आधारित होते थे।

मुंबई में स्थित पृथ्वी थिएटर

कई कलाओं का संगम: रंगमंच को एक समग्र कला माना जाता है क्योंकि इसमें पेंटिंग, डांस, संगीत और अभिनय जैसी कई विधाएं एक साथ शामिल होती हैं। थिएटर को 'जीवंत कला' भी कहा जाता है क्योंकि यह दर्शकों के सामने सीधे मंचित होता है। औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय कलाकारों ने थिएटर को ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवाद फैलाने के माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया था। भारत में 20 से अधिक क्षेत्रीय थिएटर शैलियां हैं, जैसे यक्षगान (कर्नाटक), जात्रा (बंगाल), भवाई (गुजरात) आदि। हमारे देश में नाटक के रामलीला, नौटंकी जैसे स्वरूप भी प्रचलित हैं।

विश्व प्रसिद्ध है जापान की नाट्यकला

कर्नाटक का नृत्य-नाट्य यक्षगान

भारतीय रंगमंच अकसर आदर्शवाद के करीब होता है, जबकि पश्चिमी थिएटर जीवन की कठोर वास्तविकता को दिखाने पर अधिक केंद्रित रहता है। 19वीं शताब्दी में पारसी थिएटर ने भारतीय और पश्चिमी शैलियों का मिश्रण पेश किया, जो आगे चलकर बॉलीवुड (हिंदी फिल्मों) के लिए आधार बना।

थिएटर और विद्यालय की स्थापना: बीसवीं सदी के चौथे दशक में पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक और राजनीतिक विषयों को मंच प्रदान करना था। आगे चलकर नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की स्थापना हुई, जो भारत में रंगमंच की शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान माना जाता है। एनएसडी से ही ओम पुरी, इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कई दिग्गज फिल्म एक्टर्स निकले हैं।

कुछ प्रसिद्ध-रोचक रंगमंच स्वरूप: पूरी दुनिया में रंगमंच के विविध रूप प्रचलित हैं। कुछ देशों के प्रसिद्ध और रोचक रंगमंच स्वरूपों के बारे में यहां बता रहे हैं।

नोह और काबुकी, जापान: जापान का नोह थिएटर अपनी सादगी और आध्यात्मिक गहराई के लिए जाना जाता है। इसमें कलाकार लकड़ी के मुखौटे पहनकर बहुत धीमी और नपी-तुली गति से अभिनय करते हैं। इसके विपरीत, काबुकी बेहद भव्य और ऊर्जावान होता है। इसमें कलाकार चटक मेकअप, भारी वेशभूषा और नाटकीय भाव-भंगिमाओं का उपयोग करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

ओपेरा और कॉमेडिया डेल'आर्टे, इटली: इटली को ओपेरा का जन्मस्थान माना जाता है, जहां कहानी को संगीत और गायन के माध्यम से सुनाया जाता और मंचित किया जाता है। पुनर्जागरण काल का कॉमेडिया डेल'आर्टे भी विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें कलाकार कुछ चरित्रों के मुखौटे पहनकर तात्कालिक संवाद बोलते हैं।

पेकिंग ओपेरा, चीन: यह गायन, संवाद, नृत्य और कलाबाजी का एक अद्भुत मिश्रण है। चीन में प्रचलित रंगमंच के इस प्रकार में कलाकारों का रंगीन मेकअप, उनके चरित्र (नायक, खलनायक या विदूषक) को दर्शाता है।

चीन का लोकप्रिय नाट्य रूप पेकिंग ओपेरा

वेयांग कुलित, इंडोनेशिया: यह छाया कठपुतली का एक प्राचीन रूप है, जो जावा और बाली द्वीपों में प्रचलित है। इसमें चमड़े की कठपुतलियों को प्रकाश के सामने रखकर पर्दे पर उनकी छाया से पौराणिक कथाएं प्रदर्शित की जाती हैं।

ब्रॉडवे, अमेरिका: अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित ब्रॉडवे को म्यूजिकल थिएटर का गढ़ माना जाता है। यहां प्रदर्शित होने वाले 'द लॉयन किंग' और 'अलादीन' जैसे ड्रामा शोज अपनी तकनीकी भव्यता और मोहक संगीत के कारण दुनिया भर के पर्यटकों और नाटकप्रेमियों को आकर्षित करते हैं। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

इंफॉर्मेशन और डिस्ट्रैक्शन की भरमार वाले इस दौर में शांत रहना और सही निर्णय लेना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट बहुत जरूरी हो गया है। क्या है ब्रेन मैनेजमेंट और यह आधुनिक जीवनशैली में क्यों आवश्यक है, जानिए।

आधुनिक जीवनशैली में जरूरी है ब्रेन मैनेजमेंट

आज का युग सिर्फ बेशुमार इंफॉर्मेशन का दौर ही नहीं है बल्कि यह सबसे अधिक डिस्ट्रैक्शन का दौर भी बन चुका है। एक औसत व्यक्ति दिन में चार से पांच घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहा है और हर कुछ मिनट में उसका ध्यान किसी नोटिफिकेशन, मैसेज या वीडियो से टूट जाता है। इसका सीधा असर उसके दिमाग की सबसे महत्वपूर्ण क्षमता यानी ध्यान, निर्णय लेने की शक्ति और मानसिक ऊर्जा पर पड़ता है। इस समस्या का प्रभावी समाधान है ब्रेन मैनेजमेंट।

क्या होता है ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट का अर्थ है अपने दिमाग की कार्यप्रणाली, ध्यान, भावनाओं, ऊर्जा और सोचने की क्षमता को समझकर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित और बेहतर करना। हमारा दिमाग दिनभर हजारों विचार पैदा करता है, इनमें से कई विचार अनावश्यक, नकारात्मक या ध्यान भटकाने वाले होते हैं। ब्रेन मैनेजमेंट का उद्देश्य इन विचारों को नियंत्रित करना, ध्यान को सही दिशा में केंद्रित करना और मानसिक ऊर्जा को सही काम में लगाना होता है।

कैसे करें ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट मुख्यतः चार तत्वों पर आधारित होता है- ध्यान नियंत्रण, भावनाओं पर नियंत्रण, मानसिक ऊर्जा का प्रबंधन और विचारों की जागरूकता। वास्तव में आज के जमाने में हम सब चीजें न तो पढ़ सकते हैं, न देख सकते हैं, न सीख सकते हैं, इसलिए प्रथम चरण के अंतर्गत हमें किसी एक चीज पर ध्यान फोकस करना होता है और बाकी चीजों को नजरअंदाज करना होता है। दूसरे चरण में तनाव, गुस्सा, डर और चिंता को नियंत्रित करना होता है। ब्रेन मैनेजमेंट के तीसरे चरण के तहत हम अपने दिमाग की ऊर्जा को सही समय पर सही काम में लगाएं। अगर ये तीन चरण आसानी से कर लिए तो चौथा चरण अपने विचारों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक दिशा देना होता है। वास्तव में ये चार मुख्य बातें ही ब्रेन मैनजमेंट का संपूर्ण सार होती हैं।

ब्रेन मैनेजमेंट क्यों है जरूरी: आज लगभग हर व्यक्ति हर दिन सैकड़ों नोटीफिकेशन, वीडियो और मैसेज से घिरा रहता है। इससे दिमाग लगातार अटेंशन स्विचिंग करता रहता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बार-बार ध्यान बदलने से दिमाग की गहराई से सोचने की क्षमता कमजोर होती है। ब्रेन मैनेजमेंट इस समस्या का समाधान देता है। यह सिखाता है कि कैसे ध्यान को स्थिर रखा जाए और दिमाग को अनावश्यक भटकने से बचाया जाए।

तनाव को भी करता है कम: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार आज चिंता और तनाव सबसे बड़ी मानसिक व्याधियां बन गई हैं। करियर, आर्थिक दबाव, सामाजिक तुलना और अनिश्चित भविष्य के कारण दिमाग का लगातार तनाव की स्थिति में रहना, इस सबके कारण आधुनिक जीवन में तनाव और चिंता में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट तकनीकों जैसे मेडिटेशन, श्वास अभ्यास यानी ब्रीदिंग एक्सरसाइज और माइंड फुलनेस से नर्वस सिस्टम शांत होता है और इससे तनाव कम होता है।

बढ़ाइए दिमाग की क्षमता: न्यूरो साइंस के मुताबिक हमारा दिमाग न्यूरो प्लास्टिक होता है। इसका मतलब यह है कि दिमाग खुद को बदल सकता है और नई-नई क्षमताएं विकसित कर सकता है। इसलिए जब व्यक्ति नियमित रूप से ध्यान, पढ़ाई और फोकस आधारित कार्य करता है, तो दिमाग में न्यूरल कनेक्शन मजबूत होते हैं। इससे याद्दाश्त मजबूत होती है, निर्णय क्षमता बढ़ती है और समस्याओं के समाधान की हमारी क्षमता बढ़ जाती है। ब्रेन मैनेजमेंट इसी न्यूरो प्लास्टिसिटी का उपयोग करता है। *